वार्षिक रिपोर्ट
२०१२-१३

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत

(विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार)

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत

(विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार)

आर.ए. माशेलकर, एफ.आर.एस.
अध्यक्ष, रानप्र
नेशनल रिसर्च प्रोफेसर, चांसलर, एएसआईआर एवं
प्रेसीडेंट, ग्लोबल रिसर्च एलायंस

वर्तमान प्रतिवेदन के अधीन वर्ष को मैं नए सहयोगों एवं नई शुरुआतों के वर्ष के रूप में विशेषित करना चाहूंगा। मैंने अक्सर इस तथ्य पर अपने विचारों को प्रकट किया है कि अनेक नवप्रवर्तन हमें प्रेरित करते हैं, हमें आनंदित करते हैं और हममें उनके प्रति जिज्ञासा जगाते हैं। लेकिन हम ऐसा क्या करें कि ये नवप्रवर्तन विचार से बाज़ार तक की यात्रा में मदद हेतु हमें भी प्रेरित कर सकें? बिना इस यात्रा संबंध के लोगों के जीवन में वास्तविक बदलाव न तो टिकाऊ हो सकता है और न ही इसमें अभिवृद्धि हो सकती है।

मुझे बहुत खुशी है कि रानप्र ने विगत वर्ष में कुछ अद्वितीय सफलताएं हासिल की हैं। तृणमूल नवप्रवर्तनों को बाज़ार तक ले जाने हेतु मदद के लिए उद्योगों को प्रेरित करने के विगत कई वर्षों के निरंतर प्रयास अब फलीभूत होना शुरू हो गए हैं। देश के विभिन्न हिस्सों में चुनिंदा प्रौद्योगिकियों के सामाजिक प्रसार हेतु टाटा एग्रीको के साथ नई साझेदारी, फ्यूचर ग्रुप के साथ रानप्र के संबंधों में हुई प्रगति और रिलायंस फाउंडेशन के साथ बने संबंधों को देखकर मैं बड़े हर्ष का अनुभव करता हूं। यह भविष्य के संकेत हैं और मुझे उम्मीद है कि आने वाले वर्षों में कई अन्य उद्योग आगे आकर रानप्र के साथ सहयोग का हाथ बढ़ाएंगे ताकि भारत वहनीय समावेशी प्रौद्योगिकियों में अग्रणी बने।

स्कूली बच्चों के सृजनात्मक विचारों को आमंत्रित करने हेतु चलने वाली इग्नाइट प्रतियोगिता को मिल रहा व्यापक प्रतिभाव हमारे लिए प्रेरणादायी है। विगत वर्ष छठे राष्ट्रीय पुरस्कार कार्यक्रम के दौरान घोषित तीन गांधीवादी समावेशी चुनौती पुरस्कारों को मिला प्रतिभाव बहुत उत्साहजनक नहीं रहा था। यह शोचनीय है और हमें वर्षों से चली आ रही समस्याओं, विशेषतौर पर स्त्रियों को प्रभावित करने वाली समस्याओं, के समाधान हेतु सामाजिक योगदान को अभिप्रेरित करने के वास्ते नए दृष्टिकोणों का उपयोग करना होगा।

माननीय राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी जी ने तृणमूल नवप्रवर्तकों को सम्मानित करने और राष्ट्रपति भवन में नवप्रवर्तन प्रदर्शनी की मेजबानी करने की परंपरा को जारी रखा है। उनके द्वारा प्रस्तुत केंद्रीय विश्वविद्यालयों में नेशनल इनोवेशन क्लब शुरू करने व इंस्पायर टीचर्स नेटवर्क बनाने एवं नवप्रवर्तन प्रदर्शनियों के विचार ने वस्तुतः शिक्षा प्रणाली के अंतर्गत नवप्रवर्तनों को संस्थागत करने की एक नई राह प्रशस्त की है। जब राष्ट्र प्रमुख स्वयं नवप्रवर्तन मुहिम को अपना समर्थन दें तो जाहिर है कि एक समावेशी और नवप्रवर्तनशील भारत का सपना पूरा होकर रहेगा। जनवरी, २०१३ में माननीय राष्ट्रपति से जब प्रोफेसर अनिल गुप्ता और मुझे एक घंटे की मुलाकात का अवसर प्राप्त हुआ था तो उस दौरान इस तरह के अनेक विचार सामने आए जो स्वतःस्फूर्त, उत्साहवर्धक एवं प्रेरणादायी थे।

मुझे इस तथ्य की ओर इंगित करते हुए भी बहुत खुशी हो रही है कि रानप्र ने एक वर्ष की अवधि के दौरान ही एक के बाद एक दो राष्ट्रीय पुरस्कार कार्यक्रम आयोजित कर लिए। मैं रानप्र की हमारी टीम के प्रत्येक सदस्य को बधाई देता हूं। मुझे पूरा विश्वास है कि वे अपने उत्साह के इस उच्च स्तर को बनाए रखेंगे और सामने उपस्थित चुनौतियों के प्रति एक बार फिर अपने को पूरी तरह समर्पित कर देंगे।

शुभाकांक्षाओं के साथ

आर.ए. माशेलकर

अनिल के. गुप्ता
कार्यकारी उपाध्यक्ष, रानप्र
भारतीय प्रबंध संस्थान,
वस्त्रापुर, अहमदाबाद

पूरे देश भर में हजारों की संख्या में तृणमूल नवप्रवर्तकों और विशिष्ट पारंपरिक ज्ञानधारकों को सेवा प्रदान करना एक ऐसा मिशन है जिसके लिए निरंतर नएपन की जरूरत होती है। रानप्र ने सृजनात्मक लोगों तक पहुंचने और उनके विचारों के आगे विकास एवं प्रसार हेतु कार्य करने के लिए विभिन्न मॉडलों को आजमाया है। इन्हीं में से एक मॉडल को रानप्र ने पिछले वर्ष प्रभावी ढंग से आजमाकर देखा। इसमें औपचारिक एवं अनौपचारिक दोनों ही क्षेत्रों की ताकत के सम्मिश्रण हेतु कार्पोरेट सेक्टर के साथ मिलकर पहल ली गई है।

टाटा एग्रीको वर्ष १९२५ से ही कृषि यंत्रों के क्षेत्र में एक अंतर्राष्ट्रीय संस्थान रहा है। रानप्र और टाटा एग्रीको ने तृणमूल नवप्रवर्तकों हेतु बाजार अवसरों के विस्तार के लिए मिलकर प्रयास करने का निर्णय लिया है। इसके तहत अभी शुरुआत में टाटा एग्रीको के डीलरों के नेटवर्क के माध्यम से एक नवप्रवर्तक द्वारा निर्मित गन्ने की आंख निकालने वाले यंत्र का वाणिज्यीकरण किया गया है। इसी तरह के कई अन्य उपायों व अवसरों पर रानप्र काम कर रहा है ताकि नवप्रवर्तनों का प्रसार अधिकाधिक किया जा सके।

एक अन्य कंपनी को फ्यूचर ग्रुप के साथ मिलकर स्थापित किया जा रहा है ताकि बाजार अनुकूल प्रौद्योगिकियों के लिए रिटेल आउटलेट सुलभ हो सके। नवप्रवर्तनों के लिए दुनियाभर से मांग का सृजित होना जारी है और यह जी२जी (*ग्रास रूट्स टू ग्लोबल*) मॉडल की प्रमाणिकता को सिद्ध करता है।

रानप्र द्वारा चलाई जा रही गतिविधियों के समग्र समुच्चय में नई प्रविष्टियों को जुटाने और ओपन सोर्स विचारों के प्रसार में हनीबी नेटवर्क का योगदान सर्वाधिक उल्लेखनीय बना हुआ है। वर्ष के दौरान नेटवर्क के स्वैच्छिक कार्यकर्ताओं द्वारा बीस हजार से अधिक प्रविष्टियों को एकत्र किया गया। मार्च २०१३ में रानप्र ने छठे राष्ट्रीय पुरस्कार कार्यक्रम आयोजित करने के एक वर्ष के अंदर ही सातवां राष्ट्रीय द्विवार्षिक कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें माननीय राष्ट्रपति के हाथों नवप्रवर्तकों को सम्मानित किया गया। इतनी जल्दी दो कार्यक्रमों को करने के पीछे यह संकल्प है कि सभी भावी कार्यक्रम अपने समय के अनुसार होते चलें। इसके चलते रानप्र और हनीबी नेटवर्क की समूची टीम के ऊपर कामों का भारी बोझ भी रहा, किंतु समर्पण के साथ इस बोझ को सहा गया। राष्ट्रपति भवन में पुरस्कार कार्यक्रम का सम्पन्न होना तृणमूल स्तर की सृजनात्मकता के सम्मान का एक अनूठा अवसर था। भारत शायद ऐसा एकमात्र देश होगा जहां राष्ट्र प्रमुख द्वारा न केवल तृणमूल स्तर की सृजनात्मकता का सम्मान किया जाता है, बल्कि राष्ट्रपति भवन में तृणमूल नवप्रवर्तनों की प्रदर्शनी की मेजबानी भी उनके द्वारा की जाती है। समाज ने जिन उद्देश्यों के लिए रानप्र के ऊपर विश्वास किया है उन्हें पूरा करने के लिए रानप्र प्रतिबद्ध है।

सृष्टि (सोसाइटी फॉर रिसर्च एंड इनीशिएटिव्स फॉर सस्टेनेबल टेक्नोलॉजीज एंड इंस्टीट्यूशन्स) ने रानप्र एवं हनीबी नेटवर्क के अन्य सहयोगियों के साथ करीबी समन्वयन बनाए रखते हुए दो शोधयात्राएं आयोजित कीं। २९वीं शोधयात्रा मध्य प्रदेश में जमोनिया बांध से नीलकंठ, सीहोर तक आयोजित की गई। भले ही इस क्षेत्र की दूरी प्रदेश की राजधानी भोपाल से बहुत अधिक नहीं है, किंतु यहां के आदिवासी समुदायों के हालात ऐसे नहीं दिखे कि जिन पर कोई गर्व कर सके। लगभग प्रत्येक गांव में लोगों की अपेक्षाएं बहुत अधिक थीं। यात्रा के दौरान जो बातें सीखने को मिलीं उन सर्वाधिक

उल्लेखनीय बातों में से एक यात्रा के दौरान मिले बच्चों द्वारा परिकल्पित विचारों की रेंज थी। यह स्पष्ट दिख रहा था कि इन बच्चों में से अधिकांश अपनी क्षमताओं का सम्पूर्ण प्रदर्शन मात्र इसलिए नहीं कर पाएंगे क्योंकि उनके पास अच्छे स्तर के स्कूल और उचित परामर्शदाताओं का अभाव है। यदि उनकी प्रतिभा की बात करें तो वे किसी से भी कम नहीं हैं। ३०वीं शोधयात्रा जनवरी २०१३ में मणिपुर में चन्द्रपुर से कोल्हेन तक आयोजित हुई, जिसमें भारत के अलावा विदेश से आए यात्रियों ने भी हिस्सा लिया। बेहद संवेदनशील सीमावर्ती इलाका होने के बावजूद यहां की उपेक्षा होना वाकई निराशाजनक था। रानप्र ने मणिपुर के तथा मणिपुर से बाहर के भी उन नवप्रवर्तनों को उस क्षेत्र तक पहुंचाने का निर्णय लिया है जिसमें विभिन्न समुदायों ने अपनी दिलचस्पी दिखाई थी। प्रत्येक गांव में, जहां कही भी विचार प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, बच्चों की सृजनात्मकता मुखर थी। स्थानीय समुदायों द्वारा की गई आवाभगत एवं उनकी गर्मजोशी ने प्रत्येक यात्री का मन मोह लिया।

मार्च २०१२ में छठे द्विवार्षिक पुरस्कार कार्यक्रम के दौरान शुरू किए गए गांधीवादी समावेशी नवप्रवर्तन चुनौती पुरस्कार के पहले संस्करण में प्राप्त प्रविष्टियों की विशेषज्ञों के एक पैनल ने समीक्षा की। तदुपरान्त चयनित प्रतिभागियों को कार्यशील यानी वर्किंग मॉडल जमा करने के लिए आमंत्रित किया गया। जिन तीन चुनौतियों के लिए समाधान आमंत्रित किए गए थे, वे इस प्रकार हैं : एक मैनुअल धान रोपाई यंत्र, चाय की पत्तियां तोड़ने का एक यंत्र और तीसरा, कम लागत का बहुईंधन खाना पकाने का चूल्हा। जैसा कि स्पष्ट ही है कि ये तीनों समस्याएं मुख्य रूप से स्त्रियों के लिए एक मुसीबत रही हैं और न जाने कितने समय से इनकी ओर ध्यान ही नहीं गया है। हालांकि इन चुनौतियों के संबंध में अधिक प्रविष्टियां नहीं मिल पाईं इसलिए रानप्र ने इन चुनौतियों के साथ कुछ और नई चुनौतियों को शामिल करते हुए इनकी फिर से घोषणा करने का निर्णय लिया।

लगातार चली आ रही समस्याओं के समाधान विकसित करने की प्रक्रिया हो सकता है कि हमेशा अंतर्जात नवप्रवर्तनों के माध्यम से ही न हो। कोई ऐसी भी स्थिति हो सकती है जब न केवल चुनौतियों की घोषणा किए जाने की आवश्यकता हो बल्कि समस्याओं के समाधान हेतु कई नवप्रवर्तकों को एक साथ लाने के लिए सहयोगी पहलें लेनी पड़ें। भूतपूर्व राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा पाटील ने रानप्र टीम को महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र की एक गंभीर समस्या बताई थी। फसल में खास-खास समयों पर सिंचाई की सख्त ज़रुरत होती है, किंतु उस क्षेत्र की सामाजिक-पारिस्थितिकीय परिस्थितियों में यह इतना आसान नहीं है कि बहुत दूर से पानी लाया जा सके, फसल के लिए जीवनदायी सिंचाई की जा सके और ऐसा उपलब्ध संसाधनों में कम लागत में हो सके। श्रीमती पाटील ने इस मामले में न केवल व्यक्तिगत दिलचस्पी ली, बल्कि अनेक तृणमूल नवप्रवर्तकों की इसमें भागीदारी के साथ उन्होंने स्वयं अपना भी बराबर का योगदान दिया। इस प्रयास के चलते एक टैंकर आधारिक मोबाइल छिड़काव प्रणाली तैयार हुई। इसमें टैंक में पानी भरकर खेत में ले जाया जा सकता है और महत्वपूर्ण समय में इससे पानी का छिड़काव किया जा सकता है।

इग्नाइट प्रतियोगिता ने स्कूल में पढ़ रहे व स्कूल से बीच में पढ़ाई छोड़ चुके दोनों ही तरह के बच्चों को अपनी ओर आकर्षित किया। परिणामस्वरूप देश के २८२ जिलों से १४,८८९ से अधिक प्रविष्टियां प्राप्त हुईं। बच्चों को प्रोत्साहित करने के लिए एक पुरस्कार वितरण कार्यक्रम ८ नवंबर, २०१२ को आईआईएम अहमदाबाद में आयोजित किया गया, जिसमें माननीय डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के हाथों बच्चों को पुरस्कार मिले। रानप्र ने प्रोटोटाइप बनाने और विद्यार्थियों के नाम पर पेटेंट फाइल करने के लिए यथोचित प्रयास किए। भारत सरकार ने एक नई योजना नेशनल इनोवेशन काउंसिल के साथ मिलकर तैयार की है जिसमें सृजनशील विचार वाले बच्चों के लिए १००० छात्रवृत्तियों की व्यवस्था है। रानप्र पूरे देश भर में विभिन्न विशिष्ट अकादमिक संस्थानों की सहायता से इस योजना के कार्यान्वयन में बेहद अहम भूमिका निभाने जा रहा है।

रानप्र ने, आईआईएमए और हनीबी नेटवर्क को चीन व भारत में दूसरी आईसीसीआईजी कांफ्रेंस को आयोजित करने में अपना समर्थन प्रदान किया। यह कांफ्रेंस

पिछले बीस वर्षों के कामों में मिले सबकों को समेटने, समानुक्रमित करने के लिए हुई थी। कांफ्रेंस से उपजे निष्कर्षों की रोशनी में अहमदाबाद घोषणापत्र तैयार किया गया जिसमें तियानजिन व अहमदाबाद दोनों ही जगह सामने आए विचारों को दृष्टिगत रखा गया। एचबीएन के सुझाव पर माननीय राष्ट्रपति जी ने इंस्पायर्ड टीचर नेटवर्क (प्रेरित शिक्षक नेटवर्क) शुरू करने व प्रत्येक केंद्रीय विश्वविद्यालय में नेशनल इनोवेशन क्लब (एनआईसी) स्थापित करने की भी घोषणा की, जिससे देश भर में तृणमूल स्तर पर खोज, फैलाव, ज़रूरतों को भांपने की एक पूरी प्रक्रिया के साथ एक समावेशी नवप्रवर्तन पारिस्थितिकी प्रणाली सृजित हो और तृणमूल सृजनात्मकता का सम्मान हो। रानप्र ने अपने परिसर - राष्ट्रीय समावेशी नवप्रवर्तन केंद्र (नेशनल इन्क्लूसिव इनोवेशन सेंटर - नीसेंट) की संकल्पना पर भी काम शुरू कर दिया है, जिसके लिए एक गांधीवादी संस्थान *ग्रामभारती ट्रस्ट* ने ज़मीन उपलब्ध कराई है।

मुझे विश्वास है कि हनी बी नेटवर्क के सभी स्वैच्छिक कार्यकर्ताओं का सहयोग रानप्र को पूर्ववत मिलता रहेगा जिससे रानप्र तृणमूल स्तर पर सृजनात्मक समुदायों की सेवा में नए प्रतिमान रच सके। मैं प्रार्थना करता हूं कि हम सभी को ऐसी शक्ति प्राप्त हो कि हम ज्ञान से संपन्न किंतु आर्थिक तौर पर विपन्न लोगों, बच्चों व अन्य हितधारकों की बढ़ती अपेक्षाओं पर खरे उतर सकें। मैं भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग को उनके द्वारा प्रदत्त असीमित व निरंतर समर्थन हेतु धन्यवाद देता हूं। भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद (आईआईएमए) के शिक्षकों, विद्यार्थियों व कर्मचारियों की ओर से भी रानप्र को इसकी समस्त गतिविधियों में भरपूर समर्थन प्राप्त हुआ है।

रानप्र द्वारा अपने लक्ष्यों को पूरा करने की मुहिम में मदद करते हुए विभिन्न वैज्ञानिकों, आईपीआर विशेषज्ञों व वकीलों, डिज़ाइन फ़र्मों एवं अनगिनत अन्य पेशेवरों ने अपना अमूल्य योगदान दिया है। मैं यहां रानप्र के निदेशक एवं मुख्य नवप्रवर्तन अधिकारी डॉ. विपिन कुमार के कुशल नेतृत्व के प्रति भी हार्दिक सराहना व्यक्त करना चाहूंगा, जिन्होंने पूरी टीम को प्रेरित व प्रोत्साहित किया और वर्ष के दौरान इतना उपलब्धियां हासिल कीं। मुझे उम्मीद है ये सभी इसी तरह कार्यों में सन्नद्ध रहेंगे और हमारे देश के सृजनात्मक समुदायों की सेवा में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।

अनिल के गुप्ता

डॉ. विपिन कुमार
निदेशक एवं मुख्य नवप्रवर्तन अधिकारी, रानप्र

विगत वर्ष को मैं उम्मीदों के एक वर्ष के रूप में वर्णित करना चाहूंगा। हमने स्वयं अपने लिए जो लक्ष्य निर्धारित किए थे, उस दिशा में आगे बढ़ने के लिए हमने कहीं अधिक शक्ति लगाकर प्रयास शुरू किए, नई साझेदारियां हुईं एवं कई नई पहलों को लिया गया है। जब हमने लगभग एक दशक पूर्व एक छोटी सी शुरुआत की थी तो हमारे सामने प्रतिस्पर्धा के लिए कोई मानक नहीं थे। विगत वर्षों के दौरान हम ताकत बटोरते कदम-ब-कदम आगे बढ़े हैं, स्वयं के मानक गढ़े हैं और उन्हें उच्चतर स्तर पर ले गए हैं तथा इसी प्रक्रिया में सीखते चले हैं। सामूहिक ढंग से सीखने की यह प्रक्रिया हमारे लिए अपने सरोकारों एवं प्रणालियों को यथायोग्य करने में मददगार रही है, जिससे कि हम देश काल के अनुसार अपनी सेवाओं का उन्नयन कर पाएं।

इस तथ्य का एक प्रमाण बीता वर्ष है। राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान-भारत की युवा टीम एक वर्ष के अंदर ही छठे पुरस्कार कार्यक्रम के बाद राष्ट्रपति भवन में सातवें राष्ट्रीय द्विवार्षिक कार्यक्रम को आयोजित कर पाने में सफल रही। साथ ही इसी दौरान इग्नाइट १२ प्रतियोगिता में अभूतपूर्व प्रतिभाव प्राप्त होने, नवप्रवर्तनों के सामाजिक एवं वाणिज्यिक प्रसार हेतु नए संबंध बनाने, मूल्य परिवर्धन एवं उत्पाद विकास के लिए शोध संस्थानों से सहयोग लेने और तृणमूल नवप्रवर्तनों को आगे बढ़ाने के लिए कई अन्य गतिविधियां चलाए जाने में इस टीम के प्रयासों को देखा जा सकता है। भारत के माननीय राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी जी द्वारा तृणमूल नवप्रवर्तकों को सम्मानित किया जाना इस बात को एक बार फिर से दर्शाता है कि तृणमूल स्तर पर सृजनात्मक व्यक्ति एवं समुदाय कितने अधिक ज्ञान संपन्न हैं। भारत की पूर्व राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा देवी सिंह पाटील जी ने नवप्रवर्तकों के प्रति अपनी शुभाकांक्षाओं को बनाए रखा है और उन्हें प्रेरित करना जारी रखा है। विख्यात औद्योगिक घरानों ने तृणमूल नवप्रवर्तनों को आगे ले जाने के लिए रानप्र से हाथ मिलाए हैं, मीडिया ने जागरूकता फैलाने और उपयोगी जानकारियों के प्रसार में अपनी भूमिका निभाई है। हनी बी नेटवर्क के स्वैच्छिक कार्यकर्ताओं ने हमेशा की तरह अपना सहयोग अनवरत जारी रखा है।

मैं पूरे हार्दिक सम्मान के साथ अपने अध्यक्ष डॉ आरए माशेलकर और कार्यकारी उपाध्यक्ष प्रो. अनिल गुप्ता को, उनके द्वारा हम सभी को प्रदत्त प्रेरक नेतृत्व, गहन उत्प्रेरण एवं मार्गदर्शन हेतु, धन्यवाद देता हूं। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव डॉ टी रामासामी और अन्य अधिकारियों के जारी समर्थन के चलते हम वांछित लक्ष्यों को प्राप्त कर सके। मैं भारतीय प्रबंध संस्थान का यहां विशेष उल्लेख करना चाहूंगा कि उन्होंने संस्थान की विभिन्न गतिविधियों में पूरे वर्ष अपनी ओर से पूरा सहयोग दिया। मैं इस अवसर पर रानप्र और हनी बी नेटवर्क के अपने सभी साथियों का, उनके कठिन परिश्रम एवं सहयोग के लिए और आपसी सहयोग की शानदार भावना के प्रदर्शन हेतु, आभार प्रकट करना चाहूंगा। मुझे विश्वास है कि यह आपसी सहयोग आगामी वर्षों में भी बना रहेगा और हम तृणमूल नवप्रवर्तनों के हितार्थ सर्वाधिक यथोचित रूप में अपनी सेवाएं दे पाएंगे। सभी को शुभकामानाओं के साथ

विपिन कुमार

शासी मंडल

डॉ. आर.ए. माशेलकर - अध्यक्ष
नेशनल रिसर्च प्रोफेसर
राष्ट्रीय रासायनिक प्रयोगशाला,
डॉ. होमी भाभा रोड, पुणे - ४११००८

प्रो. अनिल के. गुप्ता - कार्यकारी उपाध्यक्ष
भारतीय प्रबंध संस्थान,
वस्त्रापुर, अहमदाबाद - ३८००१५

सुश्री इलाबेन भट्ट - सदस्य
संस्थापक, सेवा (स्वाश्रयी महिला सेवा संघ)
सेवा रिसेप्शन सेंटर, विक्टोरिया गार्डन के सामने, भद्रा,
अहमदाबाद - ३८०००१

डॉ. वी.एल. केलकर - डीएसटी नामित-सदस्य
ए-७०१, ब्लॉसम बुलेवर्ड
प्लॉट नं. ४२१, साउथ मेन रोड, निकट पिंगले फार्म
कोरेगांव पार्क पुणे - ४११००१

श्री एच.के. मित्तल - सदस्य
वैज्ञानिक जी -सलाहकार एवं प्रमुख,
राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी उद्यमिता विकास बोर्ड, राष्ट्रीय
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, प्रौद्योगिकी भवन,
न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली - ११००१६

डॉ. समीर ब्रह्मचारी - सदस्य
महानिदेशक, सीएसआईआर,
अनुसंधान भवन,
२, रफी मार्ग, नई दिल्ली - ११०००१

डॉ. वी.एम. कटोच - सदस्य
महानिदेशक, आईसीएमआर,
वी. रामालिंगास्वामी भवन, अंसारी नगर,
नई दिल्ली - ११००२९

प्रो. देवांग खाखर - सदस्य
निदेशक भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, पवई
मुंबई - ४०००७६

श्री प्रद्युम्न व्यास - सदस्य
निदेशक, राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान, पालडी
अहमदाबाद, गुजरात

श्री किशोर बियानी - सदस्य
सस्थापक, फ्यूचर ग्रुप,
सोबो सेंट्रल, चौथी मंजिल
निकट हाजी अली, तारदेव, मुंबई - ४०००३४

प्रो. पंकज चंद्रा - सदस्य
निदेशक, आईआईएम बंगलौर,
बन्नेरघट्टा रोड, बंगलौर - ५६००७६

सुश्री रिया सिन्हा - हनी बी नेटवर्क नामित - सदस्य
सतीसर अपार्टमेंट्स, बी ८०२, सेक्टर-७,
प्लॉट-६, द्वारका, नई दिल्ली

सचिव, आयुष - पदेन सदस्य
आयुष, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, रेडक्रॉस रोड,
नई दिल्ली - ११०००१

अध्यक्ष, सिडबी - पदेन सदस्य
टावर १५, अशोक मार्ग,
लखनऊ - २२६००१

सचिव, एमएसएमई - पदेन सदस्य
उद्योग भवन, नई दिल्ली

मुख्य सचिव, गुजरात सरकार - पदेन सदस्य
सचिवालय, ब्लॉक नं. १, तीसरी मंजिल
गांधीनगर - ३८२०१०

डॉ. एस. अय्यप्पन - सदस्य,
महानिदेशक, आईसीएआर, कृषि भवन, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद
रोड, नई दिल्ली - ११०००१

वित्तीय सलाहकार - सदस्य
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग,
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, प्रौद्योगिकी भवन,
न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली - ११००१६

मुख्य नवप्रवर्तन अधिकारी - पदेन सदस्य
राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान
सैटेलाइट कॉम्पलेक्स
प्रेमचंद नगर रोड, अहमदाबाद - ३८००१५

वित्त समिति

डॉ. आर ए माशेलकर - अध्यक्ष
नेशनल रिसर्च प्रोफेसर
राष्ट्रीय रासायनिक प्रयोगशाला,
डॉ. होमी भाभा रोड, पुणे - ४११००८

प्रो. अनिल के गुप्ता - सचिव
भारतीय प्रबंध संस्थान, वस्त्रापुर,
अहमदाबाद - ३८००१५

प्रो. पंकज चंद्रा - सदस्य
निदेशक, आईआईएम बंगलौर, बन्नेरघट्टा रोड,
बंगलौर - ५६००७६

सुश्री इलाबेन भट्ट - सदस्य
संस्थापक, सेवा (स्वाश्रयी महिला सेवा संघ)
सेवा रिसेप्शन सेंटर, विक्टोरिया गार्डन के सामने
भद्रा, अहमदाबाद - ३८०००१

वित्तीय सलाहकार - सदस्य
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग,
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, प्रौद्योगिकी भवन,
न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली - ११००१६

मुख्य नवप्रवर्तन अधिकारी - सदस्य
राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत
सैटेलाइट कॉम्पलेक्स प्रेमचंद नगर रोड,
सैटेलाइट, अहमदाबाद - ३८००१५

सांगठनिक रूपरेखा

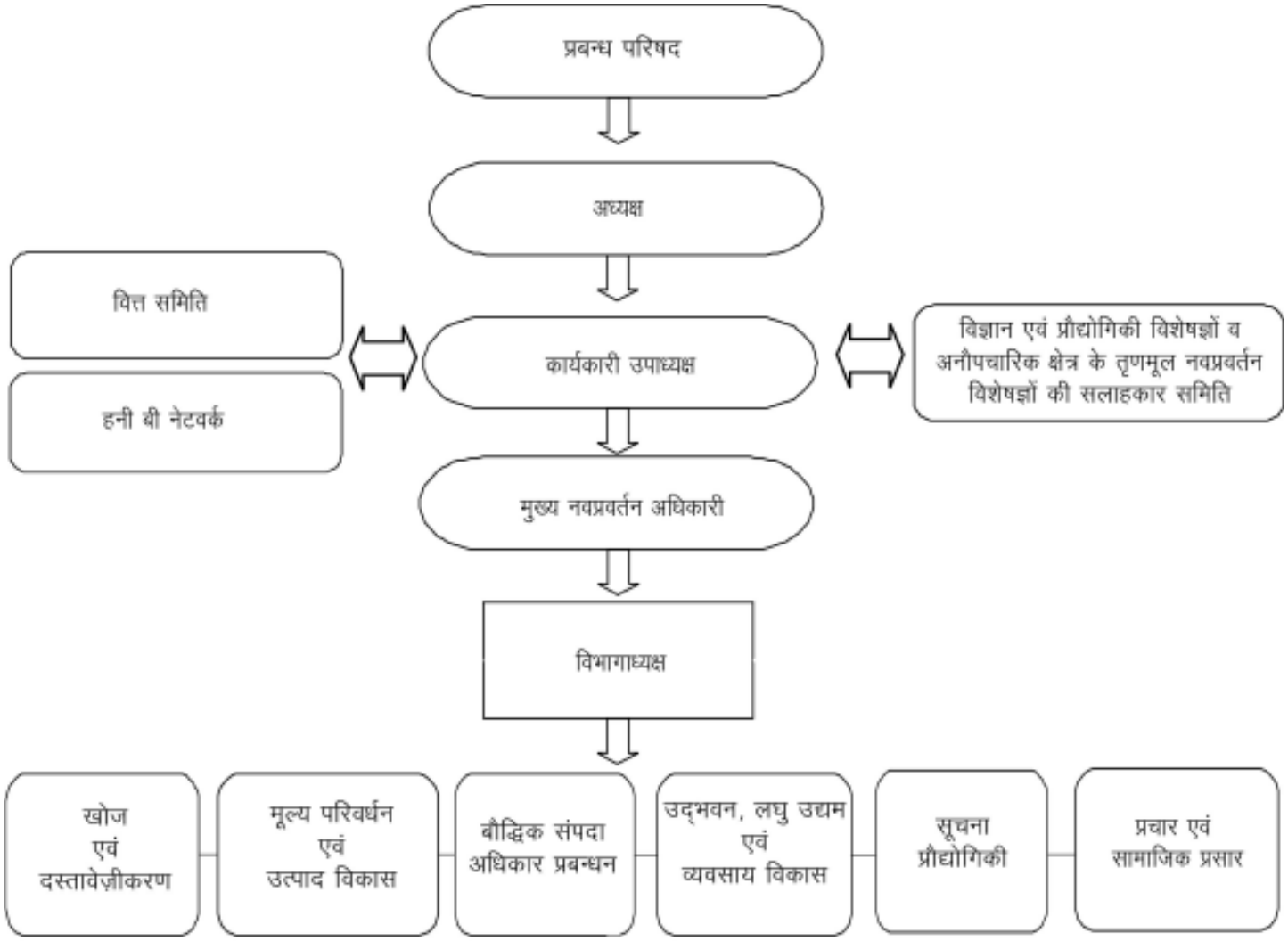
प्रबन्ध परिषद
अध्यक्ष
वित्त समिति
हनी बी नेटवर्क
कार्यकारी उपाध्यक्ष
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विशेषज्ञों व अनौपचारिक क्षेत्र के तृणमूल नवप्रवर्तन विशेषज्ञों की सलाहकार समिति
मुख्य नवप्रवर्तन अधिकारी
विभागाध्यक्ष
खोज एवं दस्तावेज़ीकरण
मूल्य परिवर्धन एवं उत्पाद विकास
बौद्धिक संपदा अधिकार प्रबन्धन
उद्भवन, लघु उद्यम एवं व्यवसाय विकास
सूचना प्रौद्योगिकी
प्रचार एवं सामाजिक प्रसार

विषय सूची

१. *आमुख* *५*

२. *प्रस्तावना* *७*

२. *निदेशक का संदेश* *११*

३. *शासी मंडल* *१२*

४. *वित्त समिति* *१३*

५. *सांगठनिक रूपरेखा* *१४*

६. नवप्रवर्तन मुहिम के नए क्षितिज १७

७. गतिविधियां २२

८. नई पहलें ३२

१०. संस्थागत नीतियां ३३

११. प्रशासनिक मामले ३४

१२. समाहार ३४

१२. लेखा परीक्षक का प्रतिवेदन एवं तुलनपत्र ३६

१. नवप्रवर्तन मुहिम के नए क्षितिज

राष्ट्रपति भवन में नवप्रवर्तनों की प्रदर्शनी आयोजित करने की परंपरा को जारी रखते हुए राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान-भारत (रानप्र) ने वर्ष के दौरान सातवें द्विवार्षिक पुरस्कार कार्यक्रम एवं नवप्रवर्तन प्रदर्शनी का आयोजन किया। माननीय राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने राष्ट्रीय नवप्रवर्तन क्लब के उद्घाटन और अपने भ्रमणों के दौरान प्रतिबद्ध शिक्षकों के साथ मुलाकात के अलावा प्रत्येक केंद्रीय विश्वविद्यालय में नवप्रवर्तन प्रदर्शनी में नवप्रवर्तकों के साथ मुलाकात संबंधी निर्णय लेकर भारत को नवप्रवर्तनशील बनाने की मुहिम के सामने संभावनाओं के नए क्षितिज खोल दिए। बच्चों ने इग्नाइट कार्यक्रम के दौरान अपनी सृजनात्मकता से राष्ट्र को सुखद आश्चर्य से विभोर कर देना इस वर्ष भी जारी रखा। इस कार्यक्रम में भारत के माननीय भूतपूर्व राष्ट्रपति द्वारा बच्चों का उत्साहवर्धन विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी रहा।

रानप्र के लिए वर्ष २०१२-१३ उपलब्धियों का एक और वर्ष रहा है। इस अवधि के दौरान रानप्र ने सफलतापूर्वक तीन राष्ट्रीय अभियानों का आयोजन, तृणमूल प्रौद्योगिकियों के प्रमाणीकरण एवं मूल्य परिवर्धन में सहयोग, बौद्धिक संपदा संरक्षण के लिए आवेदन, नवप्रवर्तनों को आगे बढ़ाने के लिए नए संबंध निर्माण तथा नवप्रवर्तकों को तकनीकी एवं वित्तीय समर्थन प्रदान करने संबंधी कार्यों को बखूबी अंजाम दिया है।

सीखने और खोजने के लिए पद-यात्राएं : शोधयात्राएं

२९वीं शोधयात्रा का आयोजन सृष्टि, रानप्र एवं अन्य हनीबी नेटवर्क सदस्यों द्वारा २३ मई से ३० मई, २०१२ तक मध्य प्रदेश के सीहोर जिले में जमुनिया तालाब से नीलकंठ तक किया गया। इस अवधि के दौरान खोज एवं विस्तृत दस्तावेजीकरण के अभियान में सृष्टि टीम एवं रानप्र स्वैच्छिक कार्यकर्ताओं के साथ ही रानप्र पुरस्कार विजेता राजकुमार राठौर भी शामिल हुए। इन आठ दिनों के दौरान देश और विदेश के विभिन्न हिस्सों से आए लगभग पैंसठ यात्रियों ने एकसाथ लगभग १३० किलोमीटर लंबी पैदल यात्रा की। उद्देश्य था कि अपने चार शिक्षकों से सीखने, यानी १) प्रकृति से, २) एक दूसरे से, ३) आम लोगों से और ४) स्वयं अपने अंतर्मन से सीखने, की प्रक्रिया को त्वरण प्रदान किया जाए। शोधयात्रा के दौरान यात्रियों ने गांव वालों के साथ बैठकें की, बच्चों और बड़ों के लिए विचार एवं जैवविविधता प्रतियोगिताएं आयोजित कीं, सृजनशील कारीगरों, संगीतकारों, विशिष्ट पारंपरिक ज्ञानधारकों और नवप्रवर्तकों के साथ मुलाकातें कीं। नएपन की खोज वाली इस पदयात्रा में शोधयात्री गांवों, उपवनों, संरक्षण वनों, खेतों, पहाड़ियों और घाटियों से होकर गुजरते हुए शोधयात्रियों ने जगह-जगह घरों के बाहर रंग-बिरंगी सज्जा को भी देखा जो स्थानीय समुदायों के विशिष्ट सौंदर्यबोध को अभिव्यक्त कर रही थी। यात्रा के दौरान ३५० विचारों, नवप्रवर्तनों और व्यवहारों का दस्तावेजीकरण किया गया।

मणिपुर शोधयात्रा के दौरान विचार प्रतियोगिता में भाग लेते बच्चे

यात्री अपने साथ कई नवप्रवर्तनों को लेकर चल रहे थे। इसमें अमृतभाई अग्रावत की स्टॉपर वाली पुली जैसे कई नवप्रवर्तन शामिल थे। कुछ जगहों पर इन्हें बहुत अधिक दिलचस्पी दिखा रहे ग्रामीणों को उपहारस्वरूप प्रदान भी किया गया। कुछ अन्य खुले स्रोत वाली प्रौद्योगिकियां जैसे कि खीमजीभाई कनाडिया द्वारा विकसित सिर के भार को आसानी से उठाने के उपाय को भी प्रदर्शित किया गया।

३०वीं शोधयात्रा १२ से १७ जनवरी, २०१३ को मणिपुर के चूड़चंद्रपुर जिले में (चूड़चंद्रपुर

से तुइलुमजांग तक) आयोजित की गई। इस यात्रा में साठ शोधयात्रियों ने विभिन्न गांवों से होते हुए साठ किमी से अधिक की यात्रा की। यात्रा के दौरान पारंपरिक ज्ञान के समृद्ध भंडार के साथ ही साथ समकालिक नवप्रवर्तन, सृजनात्मक हस्तकला एवं संस्कृति से समृद्ध संस्थाओं को देखने का मौका मिला। कुछ गांवों में विदा होते समय शोधयात्रियों की सफलता के लिए स्थानीय पुजारी ने प्रार्थना सभा का आयोजन किया। यात्री अपनी यात्रा के लक्ष्य में कामयाबी पाएं इस उद्देश्य से की गई इस प्रार्थना में गांव के लगभग सभी बड़े-बुजुर्ग पंक्तिबद्ध होकर खड़े थे। कोई आश्चर्य की बात नहीं कि विचार प्रतियोगिताओं के दौरान अधिकांश बच्चों ने गांव में एक अदद स्कूल होने की अपनी दिली इच्छाएं व्यक्त कीं। यहां ऐसे कई स्थान हैं जहां ४-५ किलोमीटर तक बच्चों का कोई स्कूल नहीं है। भले ही यह क्षेत्र एक रूप में संवेदनशील माना जाता हो लेकिन विकास की जिम्मेदारी जिस प्रशासन पर है, उसकी संवेदनशीलता का यहां यत्र-तत्र अभाव दिखा। कुछ नवप्रवर्तित यंत्रों जैसे कि खाद्य प्रसंस्करण यंत्र और बांस से अगरबत्ती बनाने के उपाय के परीक्षण के माध्यम से आगे इस दिशा में काम करने की एक योजना भी बनाई गई।

इग्नाइट २०१२ : बाल सृजनात्मकता का उत्सव

स्कूली विद्यार्थियों के प्रौद्योगिकीय विचारों एवं नवप्रवर्तनों की राष्ट्रीय वार्षिक प्रतियोगिता में पूरे देशभर के विद्यार्थियों की जबरदस्त भागीदारी रही। १६ अक्टूबर, २०११ से लेकर ३१ अगस्त, २०१३ तक की अभियान अवधि के दौरान ३० राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के २८२ जिलों

इग्नाइट १२: डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम को अपना आइडिया समझाते हुए उस्मान

से १४,८८९ विचार प्राप्त हुए। इनमें से ३१ विद्यार्थियों के १६ विचारों को एक विशेषज्ञ समिति द्वारा इग्नाइट २०१२ पुरस्कार कार्यक्रम में पुरस्कृत करने हेतु चुना गया। इसके अतिरिक्त १० विद्यार्थियों को उनके विचारों के लिए विशेष नामोल्लेख हेतु चुना गया। इस वर्ष पहली बार ५ विद्यार्थियों को पतंग उड़ान विचार पुरस्कार दिए गए। यह पुरस्कार अपने समय से आगे के विचारों को दिया जाता है, जो भले ही आज बेतुके जान पड़ते हों, किंतु भविष्य में वह एक वास्तविकता बनने की क्षमता रखते हों। ये विचार आज अतार्किक लग सकते हैं लेकिन जैसे जैसे प्रौद्योगिकी उन्नत होगी इन्हें साकार करना संभव हो सकता है। यह उल्लेखनीय तथ्य है कि विजेताओं में देश भर के लगभग हर कोने का प्रतिनिधित्व था। ये बच्चे १४ राज्यों में फैले १९ जिलों से ताल्लुक रखते थे। डॉ एपीजे अब्दुल कलाम के जन्म दिवस के दिन यानी १५ अक्टूबर को पुरस्कारों की घोषणा की गई, जिसे रानप्र द्वारा बाल सृजनात्मकता एवं नप्रवर्तन दिवस के रूप में मनाया जाता है।

पुरस्कार समारोह १० नवंबर २०१२ को आईआईएम, अहमदाबाद परिसर के आरजेएमसीईआई प्रेक्षागृह में सम्पन्न हुआ, जिसमें पुरस्कार विजेता बच्चों के साथ उनके परिवार जनों को भी आमंत्रित किया गया था। इस अवसर पर डॉ एपीजे अब्दुल कलाम ने स्वयं अपने हाथों से बच्चों को पुरस्कृत किया। रानप्र ने बच्चों के विचारों पर आधारित प्रोटोटाइप बनवाए थे और अधिकांश पुरस्कृत विचारों के पेटेंट आवेदन बच्चों के नाम से फाइल किए थे। इस अवसर पर एक टेबलेट पीसी निर्माता विशटेल ने बच्चों को ३१ मिनी टेबलेट उपहारस्वरूप दिए, जिसमें इग्नाइट की पिछली प्रतियोगिताओं की पुरस्कार-पुस्तिकाएं तथा हनीबी नेटवर्क की तमाम सामग्री सॉफ्ट कॉपी के रूप में सम्मिलित थी।

इस कार्यक्रम के अवसर पर पुरस्कृत विचारों के प्रोटोटाइपों की एक प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया। अपने विचारों को वास्तविकता में अपने सामने देख बच्चों के चेहरे पर आई चमक को सहज ही देखा जा सकता था। प्रदर्शनी क्षेत्र में खूब गहमागहमी रही। पुरस्कार विजेता बच्चे, उनका परिवार, मीडिया के प्रतिनिधि स्थानीय विद्यालयों के विद्यार्थी और शिक्षक एवं अन्य आगंतुकों

का एक अच्छा-खासा जमावड़ा था। पूरा माहौल नए विचारों पर आपसी संवाद से ऊर्जस्वित हो उठा था। लोग बच्चों से उनके विचारों पर बातचीत कर रहे थे और उनके प्रोटोटाइपों को देख-समझ रहे थे।

डॉ. कलाम ने इस मौके पर स्वयं पर भरोसा रखने के लिए बच्चों को प्रेरित किया। उन्होंने विभिन्न प्रमुख अन्वेषकों के उदाहरण देते हुए बच्चों का आह्वान किया कि वे अपने अनूठे योगदानों के लिए आगे आएं। अपने अनुभवों और वास्तविक उदाहरणों के द्वारा उन्होंने बच्चों को प्रोत्साहित किया कि वे स्वयं अपने और समाज के जीवन की बेहतरी और बड़े बबदलाव के लिए लक्ष्य निर्धारित करें। इग्नाइट में पहली बार एक एनीमेशन फिल्म को भी दिखाया गया। दर्शकों ने इस नई पहल को काफी पसंद किया।

तृणमूल नवप्रवर्तनों एवं विशिष्ट पारंपरिक ज्ञान का सातवां राष्ट्रीय द्विवार्षिक पुरस्कार कार्यक्रम

बहुप्रतीक्षित सातवें राष्ट्रीय द्विवार्षिक पुरस्कार कार्यक्रम का शुभारंभ ७ मार्च, २०१३ को दोपहर १२.३० बजे राष्ट्रपति भवन में मुगल गार्डन के निकट हुआ। इस आयोजन में ६४ नवप्रवर्तकों और ५ समुदाय प्रतिनिधियों को कुल ५४ पुरस्कार प्रदान किए गए। भारत के माननीय राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी ने देश के विशिष्ट तृणमूल नवप्रवर्तकों को २० राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किए। उन्होंने बेलगाम, कर्नाटक के अन्ना साहेब उडगवी को लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार से पुरस्कृत किया। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने इंडिया इनोवेट्स पुस्तक के दूसरे संस्करण का अनावरण किया। माननीय राष्ट्रपति के साथ इस मौके पर केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री जयपाल रेड्डी, रानप्र के अध्यक्ष डॉ आर ए माशेलकर तथा डीएसटी के सचिव डॉ टी रामासामी भी मंच पर उपस्थित थे। इस अवसर पर भारत सरकार के अनेक सचिवों एवं अन्य वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों सहित कई गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे। विभिन्न दूतावासों/वाणिज्य दूतावासों के प्रतिनिधियों के साथ ही साथ उद्योग, अकादमिक जगत, नागरिक समाज, विद्यार्थीवर्ग से जुड़े अनेकानेक लोगों ने कार्यक्रम में शिरकत की।

७वें राष्ट्रीय पुरस्कारः माननीय राष्ट्रपति से लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार ग्रहण करते श्री अन्नासाहेब

पुरस्कृत तृणमूल नवप्रवर्तकों को १ फरवरी, २००९ से ३१ मार्च, २०११ तक चली प्रतियोगिता के दौरान प्राप्त १९,००० प्रविष्टियों की छंटाई के बाद चुना गया था। विभिन्न स्तरों पर गहन छंटाई के बाद ही अंतिम निर्णय लिए गए थे। सभी प्रविष्टियां तकनीकी तथा पेटेंट एवं गैर-पेटेंट प्रायर आर्ट सर्च के विषयाधीन थीं, ताकि नवप्रवर्तन की नवीनता/विशिष्टता, लागत प्रभाविता और सामाजिक स्वीकार्यता की जांच हो सके। इस उद्देश्य हेतु तीन शोध सलाहकार समितियां (आरएसी) बनी थीं। इन समितियों में देश के विभिन्न हिस्सों के तृणमूल नवप्रवर्तकों (पूर्व पुरस्कार कार्यक्रमों के विजेता) के अलावा शीर्षस्थ शोध एवं विकास संस्थानों के प्रमुख, इंजीनियरिंग, कृषि एवं पशु चिकित्सा क्षेत्र के विशेषज्ञ, विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति शामिल थे। छांटे गए इंजीनियरिंग नवप्रवर्तनों की समीक्षा हेतु गठित शोध सलाहाकार समिति की अध्यक्षता आईआईटी मद्रास के प्रो. अशोक झुनझुनवाला और कृषि एवं पशु चिकित्सा संबंधी प्रविष्टियों की समीक्षा वाली शोध सलाहकार समिति की अध्यक्षता प्रो. पी एल गौत्तम, तत्कालीन अध्यक्ष पीपीवी एंड एफआरए, नई दिल्ली ने की।

तीसरी शोध सलाहकार समिति में अनौपचारिक क्षेत्र के तृणमूल नवप्रवर्तक विशेषज्ञ शामिल थे जिसकी अध्यक्षता किसान नवप्रवर्तक श्री सुंडाराम वर्मा और रानप्र से राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त नवप्रवर्तक गुरमेल सिंह धोंसी ने संयुक्त रूप से की।

७वें राष्ट्रीय पुरस्कारः माननीय राष्ट्रपति को अपना नवप्रवर्तन दिखाते हुए सुशांत पटनायक

रानप्र के अध्यक्ष डॉ आर.ए.माशेलकर ने अतिथियों का हार्दिक स्वागत किया और नवप्रवर्तन के वर्तमान दशक में नवप्रवर्तनों के विषय को आगे ले जाने के लिए राष्ट्रपति का हार्दिक आभार व्यक्त किया। प्रो. अनिल कुमार गुप्ता ने भी राष्ट्रपति को नवप्रवर्तन मुहिम को दिए गए उनके समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया। अपने संक्षिप्त वक्तव्य में उन्होंने राष्ट्रपति द्वारा ली गई पहलों का उल्लेख किया कि माननीय राष्ट्रपति ने इस मुहिम में केंद्रीय विश्वविद्यालयों को शामिल करने के लिए राष्ट्रीय नवप्रवर्तन क्लब शुरू करने और राष्ट्रपति के भ्रमण के दौरान नवप्रवर्तन प्रदर्शनियां आयोजित करने संबंधी गतिविधियों में शामिल होने हेतु अपनी स्वीकृति दी है।

केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री श्री एस जयपाल रेड्डी ने अपने भाषण में उल्लेख किया कि राष्ट्रपति के हाथों पुरस्कार वितरण यह संदेश देता है कि देश को अपने नवप्रवर्तकों पर भरोसा है। औपचारिक क्षेत्र के नवप्रवर्तनों से तृणमूल नवप्रवर्तनों की भिन्नता को उन्होंने इस रूप में व्यक्त किया कि तृणमूल नवप्रवर्तन प्रक्रिया और उत्पाद दोनों ही रूपों में नवप्रवर्तन के लोकतांत्रिकीकरण का उद्देश्य रखते हैं और उनमें परिधि से बाहर के समावेशन की क्षमता होती है। उन्होंने रानप्र द्वारा प्रोत्साहित किए जा रहे नवप्रवर्तनों सहित सभी संभावित नवप्रवर्तनों का विभिन्न साधनों के माध्यम से वाणिज्यिकरण करने के संबंध में राष्ट्रीय बजट में रु. २०० करोड़ शामिल किए जाने की भी घोषणा की। इसके बाद राष्ट्रपति द्वारा लाइफटाइम अचीवमेंट और राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किए गए।

अपने संबोधन में माननीय राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी ने इस बात पर प्रसन्नता जाहिर की कि पुरस्कार प्राप्त करने वाले नवप्रवर्तक देश के विभिन्न हिस्सों से सभी आयुवर्ग के हैं। विशेष रूप से विद्यार्थी नवप्रवर्तकों के बारे में बोलते हुए उन्होंने इस बात का उल्लेख किया कि जीवन के आरंभ में ही इस प्रकार की गतिविधि व्यक्ति को उसके समग्र जीवन में सृजनात्मकता प्रदान करती है। उन्होंने कार्यक्रम में पुरस्कृत होने वाले कई नवप्रवर्तकों के बारे में इस तथ्य का भी संज्ञान लिया कि नवप्रवर्तकों ने मितव्ययी और प्रभावी समाधान खोजने की क्षमता प्रदर्शित की है। उन्होंने कहा कि भारत शायद एकमात्र ऐसा देश होगा जहां तृणमूल नवप्रवर्तन राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रणाली का एक अभिन्न हिस्सा हैं। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि अब वह समय आ चुका है जब सार्वजनिक प्रशासन के सभी स्तरों पर भी नवप्रवर्तन संस्कृति को सांस्थानिक स्वरूप प्रदान किया जाए। राष्ट्रपति ने आयोजन स्थल पर प्रदर्शित नवप्रवर्तनों

की प्रदर्शनी का भी उद्घाटन किया और पुरस्कार विजेताओं के साथ बातचीत की।

कार्यक्रम के उत्तरार्ध में डॉ आर ए माशेलकर ने ८ राज्य, १७ सांत्वना, १ प्रसार, ७ सहयोगिता, ३ मीडिया पुरस्कार के साथ ही साथ एक स्काउट पुरस्कार भी दिया। ४ नवप्रवर्तकों को उनके कार्य के लिए प्रशंसा प्रमाण पत्र भी दिए गए। डॉ माशेलकर ने पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी और इस बात का उल्लेख किया कि उनकी सृजनात्मकता को देखना हरेक व्यक्ति के लिए कितना प्रेरणादायी है।

राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली में चौथी नवप्रवर्तन प्रदर्शनी

लगातार चौथे वर्ष राष्ट्रपति भवन में नवप्रवर्तनों की प्रदर्शनी का आयोजन हुआ। इस बार यह प्रदर्शनी राष्ट्रपति भवन के खेल मैदान में ७-१२ मार्च, २०१३ को आयोजित हुई। भारत के राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी ने इस नवप्रवर्तन प्रदर्शनी का उद्घाटन किया और इस मौके पर केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री जयपाल रेड्डी, रानप्र के अध्यक्ष डॉ आर ए माशेलकर, डीएसटी के सचिव डॉ टी रामासामी, रानप्र के कार्यकारी उपाध्यक्ष प्रो. अनिल कुमार गुप्ता और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। श्री प्रणब मुखर्जी ने नवप्रवर्तनों में खासी दिलचस्पी दिखाई। विशेषतौर पर बच्चों के नवप्रवर्तनों को उन्होंने बड़ी उत्सुकता से देखा। उन्होंने पुरस्कार विजेताओं के साथ बातचीत की और उनके प्रयासों को सराहा।

नवप्रवर्तकों के लिए यह एक विशेष खुशी का मौका था कि भारत की पूर्व राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा देवीसिंह पाटील ने न केवल नवप्रवर्तकों को अपने आवास पर आमंत्रित किया और उनके विचारों को जाना, बल्कि समापन दिवस के दिन वह स्वयं प्रदर्शनी में आयीं। उत्तर प्रदेश के माननीय राज्यपाल श्री बी एल जोशी, उत्तर प्रदेश सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अभिषेक मिश्रा भारत सरकार के विभिन्न विभागों यथा आदीवासी मामलों का विभाग, कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा, प्रदर्शन प्रबंधन विभाग, विनिवेश, वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान के सचिवों, अनेक दूतावासों के प्रतिनिधि, कई विश्वविद्यालयों के कुलपति व संस्थानों के निदेशक भी प्रदर्शनी देखने वालों और नवप्रवर्तकों को प्रोत्साहित करने वालों में शामिल थे। ग्लोबल रिसर्च एलायंस (जीआरए) के अनेक देशों के प्रतिनिधियों ने भी प्रदर्शनी स्थल पर राष्ट्रपति से मुलाकात की और प्रदर्शनी को देखा। इनमें से एक सदस्य कालीमिर्च के नवप्रवर्तित तुड़ाई उपकरण को ले गए थे और उन्होंने बाद में अपनी बेहद उत्साहजनक प्रतिक्रिया भेजी।

माइंड टू मार्केट (विचार बाजार तक) पैवेलियन में ऐसी ३९ प्रौद्योगिकियों को प्रदर्शित किया गया था जो प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के लिए तैयार थीं।

७वें राष्ट्रीय पुरस्कार: भूतपूर्व राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा देवीसिंह पाटील को अपने नवप्रवर्तन के बारे में बताते हुए रंजीत मिरिग

प्रदर्शनी से पहले रानप्र की व्यवसाय विकास (बीडी) टीम देशभर के अनेक उद्यमियों से संपर्क बनाए हुए थी और उनके साथ मिलकर लाइसेंसीकरण की संभावनाओं को तलाश रही थी। लगभग १२० उद्यमियों ने नवप्रवर्तनों में दिलचस्पी दिखाई थी। इनमें से लगभग ४५ उद्यमी प्रदर्शनी स्थल भी आए। प्रदर्शनी के दौरान ४५० से अधिक व्यवसाय पूछतांछे प्राप्त हुईं। आयोजन स्थल पर ही फैब्रीकेटरों की एक बैठक भी हुई, जिसमें मुख्य रूप से लुधियाना एवं दिल्ली के फैब्रीकेटरों ने हिस्सा लिया।

प्रदर्शनी के इस अवसर का उपयोग नवप्रवर्तकों की एक बैठक आयोजित करने के लिए भी किया गया। इस बैठक में कई नवप्रवर्तकों ने आगे बढ़कर यह जिम्मेदारी ली कि वे अपने अपने क्षेत्रों में अपने जैसे सृजनात्मक लोगों को ढूंढेंगे। प्रदर्शनी के छहों दिन स्कूली बच्चों के लिए विचार प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। इस आयोजन को मीडिया ने हाथों हाथ लिया। पुरस्कार समारोह और प्रदर्शनी के बारे में अनेक आलेख व समाचार लगभग सभी राष्ट्रीय दैनिकों में प्रकाशित हुए। कुछ फिल्म निर्माताओं ने कई नवप्रवर्तकों की वीडियोग्राफी की। सुरभि फाउंडेशन ने नवप्रवर्तनों पर अपनी आने वाली शृंखला के लिए कई तृणमूल नवप्रवर्तकों की प्रोफाइलिंग की।

गांधीवादी समावेशी नवप्रवर्तन चुनौती पुरस्कार

मार्च २०१२ में छठे राष्ट्रीय द्विवार्षिक पुरस्कार कार्यक्रम के दौरान तीन प्रौद्योगिकीय चुनौतियों - मैनुअल धान रोपाई यंत्र, ईंधनक्षम लकड़ी/ बायोमास वाला चूल्हा और चाय की पत्ती तोड़ने का उपाय की घोषणा के बाद रानप्र को इस संबंध में ५०० से अधिक प्रविष्टियां प्राप्त हुई थीं। इनमें से एक विशेषज्ञ समिति ने छंटाई के बाद ५४ प्रविष्टियों को रानप्र के सम्मुख ३१ मार्च, २०१३ तक प्रोटोटाइप विकास हेतु प्रस्तुत किया।

२. गतिविधियां

क) खोज एवं दस्तावेजीकरण

राष्ट्रीय द्विवार्षिक प्रतियोगिता

गैर सहायता प्राप्त तृणमूल नवप्रवर्तनों एवं विशिष्ट पारंपरिक ज्ञान की आठवीं राष्ट्रीय द्विवार्षिक प्रतियोगिता (२०११-१३) का समापन ३१ मार्च, २०१३ को हुआ, जिसमें लगभग ४२००० प्रविष्टियां प्राप्त हुईं। इनमें से लगभग ३५००० को प्रतियोगिता में विचारार्थ प्रविष्टियों के रूप में योग्य पाया गया। आठवीं प्रतियोगिता के लिए प्रविष्टियों की समीक्षा का काम पहले ही शुरू हो चुका है। नवीं राष्ट्रीय द्विवार्षिक प्रतियोगिता एक अप्रैल, २०१३ से शुरू होकर ३१ मार्च, २०१५ तक चलेगी।

बच्चों की सृजनात्मकता के लिए इग्नाइट प्रतियोगिता

विद्यार्थियों के विचारों एवं नवप्रवर्तनों की राष्ट्रीय प्रतियोगिता इग्नाइट १३ के लिए प्रविष्टियां ३१ जुलाई, २०१३ तक आमंत्रित की जा रही हैं। अब तक ५००० प्रविष्टियां प्राप्त की जा चुकी हैं। इस प्रतियोगिता के पुरस्कारों की घोषणा डॉ ए पी जे अब्दुल कलाम के जन्मदिन के अवसर पर १५ अक्टूबर, २०१३ को की जाएगी, जिसे रानप्र बाल सृजनात्मकता एवं नवप्रवर्तन दिवस के रूप में मनाता है।

कार्यशालाएं एवं बैठकें

क्षमता निर्माण कार्यक्रम के एक अंग के रूप में ज्ञान सेल, कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर में १९-२० अप्रैल, २०१२ को स्काउटों, स्वैच्छिक कार्यकर्ताओं और क्षेत्रीय स्टाफ की एक क्षेत्रीय कार्यशाला अयोजित की गई। इसी उद्देश्य से अहमदाबाद में ३ मई, २०१२ को सृष्टि के सहयोग से एक राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला का आयोजन किया गया। कुल ४० स्काउटों, स्वैच्छिक कार्यकर्ताओं और स्टाफ को खोज एवं दस्तावेजीकरण गतिविधियों के बारे में जानकारियां दी गईं। परस्पर संवाद वाली कार्यशालाओं की एक पूरी शृंखला का आयोजन देश के विभिन्न स्थानों में किया गया। इनमें असम के धीमाजी और तिनसुकिया जिले (१८-१९ अप्रैल, २०१२), केरल का तिरुवनंतपुरम जिला (१५ मई, २०१२) और मध्य प्रदेश का सीहोर जिला (२३ मई, २०१२) शामिल हैं। इन कार्यशालाओं में लगभग ११० नवप्रवर्तकों/पारंपरिक ज्ञान धारकों ने भागीदारी की।

खोज एवं दस्तावेजीकरण के नेटवर्क को विस्तारित करने के उद्देश्य से २१ अगस्त, २०१२ को मणिपुर के चूड़चन्द्रपुर जिले में स्थानीय सहायोगियों कुकी इन्नपी मणिपुर और एसपीटीडबल्यूडी, मणिपुर शाखा के साथ मिलकर एक बैठक का आयोजन किया गया। २८ जून, २०१२ को रांची के बिरसा कृषि विश्वविद्यालय में हुई एक कांफ्रेंस के मौके पर तृणमूल नवप्रवर्तनों की खोज एवं दस्तावेजीकरण की एक प्रस्तुति प्रदर्शित की गई। स्थानीय नवप्रवर्तकों एवं ज्ञान धारकों के साथ देश के अलग-अलग हिस्सों में कई परस्पर संवादात्मक कार्यशालाओं एवं बैठकों का आयोजन किया गया। इनमें झारखंड का हजारीबाग जिला (२९ जून, २०१२), मणिपुर का

चूड़चन्द्रपुर (२१ अगस्त, २०१२), जम्मू एवं कश्मीर में कठुआ जिला और ऊधमसिंहनगर (३ नवंबर २०१२) जिला शामिल हैं। इन बठैकों और कार्यशालाओं में १०० से अधिक नवप्रवर्तकों/ पारंपरिक ज्ञान धारकों ने भागीदारी की।

हनी बी नेटवर्क के प्रमुख स्काउटिंग सहयोगियों के साथ एक बैठक का आयोजन ८ दिसंबर, २०१२ को अहमदाबाद में किया गया, जिसमें आठ राज्यों - हिमाचल प्रदेश, गुजरात, आंध्र प्रदेश, केरल, तमिलनाडु, मणिपुर, उड़ीसा और असम, से आए पुराने और नए नेटवर्क सदस्यों ने भाग लिया। इसमें नवप्रवर्तनों की प्रभावी ढंग से खोज, व्यवहारों के विस्तृत दस्तावेजीकरण क्षेत्रीय नेटवर्क बैठकों के आयोजन और प्रसार गतिविधियों के प्रोत्साहन पर विस्तृत चर्चाएं हुई। यह बैठक पहले से चल रहे खोज एंव दस्तावेजीकरण प्रयासों को नया संवेग एंव सुस्पष्ट दिशा देने के उद्देश्य से की गई थी। मणिपुर के बिशनुपुर जिले के कोइनाम और हेनोउबोक क्षेत्रों के हर्बल वैद्यों की एक बैठक २८ फरवरी, २०१३ को आयोजित की गई। इसमें सातवें राष्ट्रीय द्विवार्षिक पुरस्कार कार्यक्रम में पहचान हेतु चुने गए नए कुक्कुट व्यवहार के लिए लाभ साझा करने की क्रियाविधि पर विस्तृत चर्चा हुई।

शोध शिविर

एक तीन दिवसीय शोध शिविर जम्मू एवं कश्मीर के गांदरबल जिले में १९-२२ सितंबर, २०१२ को आयोजित किया गया। इसमें जम्मू एवं कश्मीर टीम के ८ सदस्यों और रानप्र के १ सहकर्मी ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के तहत इन लोगों ने प्रत्येक दिन विचारों, नवप्रवर्तनों एवं पारंपरिक ज्ञान उदाहरणों की खोज में विभिन्न दिशाओं में पैदल यात्रा की। लगभग १०० ऐसे उदाहरण एकत्र किए गए। इसी दौरान स्थानीय समुदाय द्वारा संरक्षित धान की एक किस्म कोतर नाल के बारे में जानकारी एकत्र की गई। जम्मू एवं कश्मीर से किसी किसान या समुदाय द्वारा विकसित धान की किस्म का यह पहला उदाहरण था जो रानप्र को सूचित हुआ है। इस शिविर के दौरान विचार मंथन बैठकें भी आयोजित की गई जिनमें क्षेत्र और उससे बाहर आगे की खोज एवं दस्तावेजीकरण गतिविधियों के लिए एक रूपरेखा पर गहन विमर्श किया गया।

ख) मूल्य परिवर्धन, शोध एवं विकास

सातवीं राष्ट्रीय शोध सलाहकार समिति बैठकें

इंजीनियरिंग नवप्रवर्तनों के लिए ये बैठकें केंद्रीय कृषि अभियांत्रिकी संस्थान, भोपाल, प्रौद्योगिकी एवं अभियांत्रिकी महाविद्यालय, एमपीयूएटी, उदयपुर, इंटरनेश्नल सेंटर फॉर ऑटोमोटिव टेक्नोलॉजी, गुड़गांव, एनर्जी एंड रिसोर्सेज इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली, केंद्रीय रबर अनुसंधान संस्थान, कोट्टायम, कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, जेएयू, जूनागढ़ में हुईं और इनमें सातवें राष्ट्रीय द्विवार्षिक पुरस्कारों के लिए विचारार्थ संभावित तृणमूल नवप्रवर्तनों पर विशेषज्ञों की राय ली गई। इसके अलावा केंद्रीय नारियल जटा अनुसंधान संस्थान, एल्लेप्पी, मूंगफली अनुसंधान निदेशालय, जूनागढ़ कृषि निदेशक, सम्भलपुर और अलप्पुझाके जिलाधिकारी से भी कुछ तृणमूल प्रौद्योगिकियों पर राय ली गई। संबंधित नवप्रवर्तनों पर राय हेतु अनुरोध संबंधित जिलाधिकारियों, कृषि अधिकारियों, अनुसंधान संस्थानों इत्यादि को भी किया गया। संभावनाशील इंजीनियरिंग प्रौद्योगिकियों को २ जनवरी, २०१३ को हुई राष्ट्रीय शोध सलाहकार समिति (आरएसी) के समक्ष प्रस्तुत किया गया। कृषि एवं हर्बल प्रौद्योगिकियों के मूल्यांकन के लिए शोध सलाहकार समिति (आरएसी) की बैठक ३ जनवरी, २०१३ को हुई। तृणमूल नवप्रवर्तन विशेषज्ञों की आरएसी बैठक ४ जनवरी, २०१३ को हुई, जिसमें अनौपचारिक क्षेत्र के इस विशेषज्ञों के सम्मुख सभी संभावनाशील प्रौद्योगिकियों को प्रस्तुत किया गया।

रानप्र-आईसीएमआर सहयोग

गैर-संहिताबद्ध स्वास्थ्य दावों के लिए प्रमाणीकरण हेतु एसएफसी दस्तावेज को सचिव डीएचआर की अध्यक्षता में ६ जुलाई, २०१२ को एसएफसी/ईएफसी बैठक में प्रस्तुत किया गया। वानस्पतिक वैद्यों के दावों के प्रमाणीकरण के लिए आवश्यक प्रोटोकोल तय करने हेतु एक अन्य विशेषज्ञ समूह बैठक का आयोजन १६-१७ जुलाई, २०१२ को आईआईएम अहमदाबाद में तथा २४ अगस्त, २०१२ को नई दिल्ली मे आयोजित किया गया। फिर से प्रमाणीकरण की सम्भावनाओं पर विचार करने और सम्भावनाशील लीडों में मूल्य परिवर्धन के लिए विशेषज्ञों की बैठक का आयोजन सीएसआईआर विज्ञान केन्द्र, नई दिल्ली ०६ सितम्बर, २०१२ में किया गया। इस संबंध में पादप नमूनों को इकट्ठा करने और पादप अर्कों को प्रेषित करने संबंधी आवश्यक उत्तरवर्ती कार्रवाइयों को निर्धारित समय-सारणी के अनुसार किया गया।

वानस्पतिक अर्कों के विरुद्ध रोगजनक सूक्ष्म जीवाणु स्ट्रेनों की छंटाई हेतु सृष्टि-सद्भाव-संशोधन प्रयोगशाला की क्षमता बढ़ाने के लिए एक परियोजना को आईसीएमआर ने स्वीकृति दी। सृष्टि प्रयोगशाला भारत की ऐसी एकमात्र प्रयोगशाला है जो तृणमूल नवप्रवर्तकों एवं पारंपरिक ज्ञानधारकों के प्रति समर्पित है। रानप्र पहले ही तृणमूल नवप्रवर्तनों एवं पारंपरिक ज्ञान व्यवहारों के प्रमाणीकरण हेतु सृष्टि के साथ समझौता कर चुका है तथा यह परस्पर सहयोग जारी है।

हर्बल कृषि, मानव, पशु प्रौद्योगिकियां

रानप्र द्वारा संभावनाशील हर्बल मानव प्रौद्योगिकियों के परीक्षण एवं प्रमाणीकरण के लिए रानप्र द्वारा व्यापक प्रयास किए गए। लगभग ७० हर्बल लीड्स/प्रौद्योगिकियों को मुल्यांकन हेतु राष्ट्रीय मलेरिया अनुसंधान संस्थान, दिल्ली, बी वी पटेल पीईआरडी सेंटर, अहमदाबाद, बंगलौर विश्वविद्याल, बंगलौर, क्राइस्ट चर्च कालेज एवं जीएसवीएम मेडिकल कालेज, कानपुर ऑक्फोर्ड कालेज ऑफ इंजीनियरिंग, बंगलौर इत्यादि को भेजा गया। चार हर्बल अर्कों को प्लासमोडियम फालसीपेरम के विरुद्ध उनकी प्रभाविता के परीक्षण हेतु जांचा गया। तीन हर्बल अर्कों के परिणाम नियंत्रित औषधि क्लोरोक्वीन के साथ तुलना करने पर उल्लेखनीय पाए गए। बारह हर्बल अर्कों को डर्मोफाइट्स के क्लीनिकल आइसोलेट्स के विरुद्ध मुल्यांकन हेतु भेजा गया, जिनमें से पांच प्रभावी पाए गए। तीन व्यवहार मिर्गी रोधी सक्रियता के लिए मूल्यांकित किए गए और परिणामों में उल्लेखनीय सक्रियता दर्शाई।

बारह पौधा किस्मों (धान, गाजर, बैंगन, तुरई, सरसों, मिर्च, सौंफ एवं लौकी से एक-एक और अरहर एवं गेहूं में प्रत्येक से दो) को मूल्यांकन हेतु तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय, कोयम्बटूर, राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर और सीसीएस हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार भेजा गया। चार पौधा किस्मों (अरहर, धान, गेहूं, गाजर, बैंगन) के परीक्षण डेटा प्राप्त किए गए, जिनमें से तीन पौधा किस्में विभिन्न विशेषताओं/मानदंडों में श्रेष्ठतर पाई गईं।

छह पौधा किस्में (प्याज एवं इलायची की एक-एक और गेंहू की चार) को किसान प्रजनकों की ओर से पंजीकरण हेतु पीपीवी एंड एफआरए के पास भेजा गया। दो कृषक पौधा किस्में, कुदरत ९ (गेहूं) और एचएमटी (धान), पीपीवी एंड एफआरए अधिनियम २००१ के तहत पंजीकृत हो चुकी हैं।

नौ हर्बल मिश्रणों को प्रमाणीकरण हेतु एसडी कृषि विश्वविद्यालय, एसके नगर भेजा गया। क्षेत्र परीक्षणों की अंतरिम रिपोर्टें प्राप्त हुईं और ये मिश्रण विभिन्न कीटों के नियंत्रण एवं भिंडी की वृद्धि को बढ़ाने में बहुत प्रभावी से लेकर सामान्य प्रभावी पाए गए। इन क्षेत्र परीक्षणों की अंतिम रिपोर्ट अभी आना बाकी है। तृणमूल नवप्रवर्तनों पर आधारित दस हर्बल कृषि उत्पादों को पंजाब कृषि विश्वविद्यालय तथा जीबीपीयूएटी, उत्तराखंड के पास प्रभाविता मूल्यांकन हेतु भेजा गया। सब्जियों एवं अन्य फसलों पर क्षेत्र परिस्थितियों में परीक्षण संचालित किए जा रहे हैं और इनके परिणाम वर्ष के अंत तक प्राप्त हो जाने की उम्मीद है।

ग्यारह हर्बल मिश्रणों का विभिन्न कीटों के नियंत्रण एवं फसल अभिवृद्धि प्रोत्साहन की उनकी क्षमता की जांच के लिए ग्राम भारती अनुसंधान प्रक्षेत्र एवं किसानों के खेतों में परीक्षण किया गया। क्षेत्र परिस्थितियों में विभिन्न कीटों की रोकथाम में अलग-अलग मिश्रणों की प्रभाविता देखी गई, हालांकि प्रभाविता का स्तर अलग-अलग था। पांच मिश्रणों (केकेपी, आरएम, आरपी, वीपी, एमएलएस) ने पत्ता मोड़क कीट की संख्या में २४ से ५५ प्रतिशत तक की कमी को दर्शाया, जिसमें वीपी की प्रभाविता सर्वाधिक थी। मिश्रण जीसी ने प्रतिपौधा कीट नियंत्रण में ६१ प्रतिशत तक की कमी को प्रदर्शित किया जो कि सकारात्मक नियंत्रण से अधिक है। गूलर एवं बांस आधारित हर्बल मिश्रणों का मूल्यांकन फसल अभिवृद्धि प्रोत्साहन की उनकी क्षमता के लिए किया गया। दोनों ही मिश्रणों ने नियंत्रित समूह की तुलना में पौधों की शाखाओं, फूलों एवं फलों में अभिवृद्धि दर्शाई। प्रमाणीकरण संबंधी गतिविधियां ७२ प्रौद्योगिकियों के लिए संचालित की गईं। ये पशुओं में शक्तिवर्धक गुणों वाले मिश्रणों एवं कुक्कुट में श्वसन रोग व जीवाणु संक्रमण के अलावा अफरा, जेर न गिरना, मदचक्र में न आना, परजीवी संक्रमण, दूध में कमी, ज्वर, आंत्रशोथ, थनैला, ब्लैक क्वार्टर, शूल, अंतःपरजीवी संक्रमण, मोच इत्यादि जैसे रोगों के उपचार हेतु की गईं। ये परीक्षण विभिन्न पशुचिकित्सा संस्थानों की मदद से संचालित किए गए, जिनमें नागपुर पशुचिकित्सा महाविद्यालय, नागपुर, बंबई पशुचिकित्सा महाविद्यालय, मुबंई, पशु चिकित्सा महाविद्याल, उडगीर और पशुचिकित्सा एवं पशुविज्ञान महाविद्यालय, परभनी, एमएएफएसयू, महाराष्ट्र, मद्रास पशुचिकित्सा महाविद्यालय,

टीएनयूवीएएस, तमिलनाडु, पशुचिकित्सा महाविद्याल, एसकेयूएएसएटी, जम्मू एवं कश्मीर और पशुचिकित्सा एवं पशुविज्ञान महाविद्यालय एवं सीएसके एचपीकेवी, हिमाचल प्रदेश शामिल हैं। कुक्कुट रोगों के उपचार हेतु देशज औषधियों के मूल्यांकन के लिए कई संस्थानों से संपर्क किया गया, जिनमें वेटेरिनरी यूनिवर्सिटी ट्रेनिंग एंड रिसर्च सेंटर, टीएनयूवीएएस, सालेम, तमिलनाडु और कालेज ऑफ वेटेनरी साइंस, केवीएएफएसयू, हस्सान, कर्नाटक शामिल हैं। नैदानिक परीक्षणों में अफरा, मदचक्र में न आना, जेर न गिरना, कृमि संक्रमण एवं जीवाणुजनित थनैला के लिए हर्बल औषधियों को काफी संभावनाशील पाया गया।

इंजीनियरिंग प्रौद्योगिकियों में मूल्य परिवर्धन और इनका प्रमाणीकरण

शोध सलाहकार समिति के समक्ष प्रस्तुति हेतु छांटे गए नवप्रवर्तनों में से अधिकांश की प्रदर्शन मूल्यांकन रिपोर्टों को प्राप्त किया गया। जमीन से लवण जल निकालने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत उत्पादन हेतु कम लागत की पवन चक्की के लिए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गांधीनगर, बैठने की व्यवस्था वाले ट्रैवल बैग में डिज़ाइन सुधार हेतु एसकेएम डिज़ाइन्स प्रा.लि. फरीदाबाद, हरियाणा, प्रदूषण नियंत्रण के परीक्षण के लिए ऑटो मोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एआरएआई), पुणे, महाराष्ट्र और प्राकृतिक मृदा आधारित तापशीतक (मिट्टी कूल) के परीक्षण के लिए नवसारी कृषि विश्वविद्यालय, नवसारी, गुजरात, अरंडी के तेल आधारित इंजन के परीक्षण के लिए जेएनटीयू कालेज ऑफ इंजीनियरिंग हैदराबाद, संशोधित पिट्ठू कीटनाशक यंत्र के प्रमाणीकरण के लिए केंद्रीय कृषि अभियंत्रण संस्थान, भोपाल, संशोधित जल ऊष्मक चूल्हे के प्रमाणीकरण के लिए अभियांत्रिकी एवं प्रौद्यागिकी महाविद्याल महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर, संशोधित इंजन के प्रमाणीकरण के लिए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवहाटी चलायमान मूंगफली थ्रेशर के प्रमाणीकरण के लिए कृषि अभियंत्रण एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, जेएयू, जूनागढ़ और मैनुअल धान रोपाई यंत्र के प्रोटोटाइप विकास के लिए मैसर्स प्लेटिपस डिज़ाइन्स प्रा.लि., अहमदाबाद में परियोजनाएं शुरू की गईं। रानप्र ने विभिन्न संस्थानों में चलने वाले इन शोध एवं विकास गतिविधियों एवं डिज़ाइन संबंधी कार्यों में लगभग रु. ४२ लाख लगाए हैं।

निशा चौबे के नवप्रवर्तन 'फोल्डिंग सीट वाला यात्रा बैग' का उन्नत संस्करण

फैब्रीकेशन सुविधाओं का विस्तार

रानप्र और इलेक्ट्रॉनिक्स एंड क्वालिटी डेवलपमेंट सेंटर (ईक्यूडीसी), गांधीनगर के बीच हुए २६ मार्च, २०१२ के समझौते के तहत डिजिटल फैब लैब को ईक्यूडीसी में स्थानांतरित कर दिया गया है। गौरतलब है कि एमआईटी के फैबलैब नेटवर्क की मदद से २००९ में इस डिजिटल फैबलैब को स्थापित किया गया था। कुछ नई मशीनें भी खरीदी गईं, जो बुनियादी फैब्रीकेशन संबंधी थीं जैसे कि लेथ, मिलिंग मशीन, ड्रिलिंग मशीन, वेल्डिंग मशीन, शीट कटर्स इत्यादि।

रानप्र ने देवरिया (उत्तर प्रदेश), संबलपुर (उड़ीसा), लोहारडगा (झारखंड), कांकेर (छत्तीसगढ़) और जयपुर (राजस्थान) में नवप्रवर्तकों की जगहों पर सामुदायिक वर्कशापों पर बनाने या उनके सशक्तिकरण के लिए भी अपना समर्थन प्रदान किया। इस संबंध में रु १६ लाख का निवेश किया गया। इसके अलावा रानप्र ने नवप्रवर्तकों को रु १० लाख से अधिक का प्रत्यक्ष समर्थन भी प्रदान किया।

इंटर्नशिप

रानप्र ने विभिन्न संस्थानों के विद्यार्थियों को इंटर्नशिप सुविधा भी प्रदान की, जिनमें राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान, बंगलौर, राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान शिलांग, एमआईटी इंस्टीटचूट ऑफ

टेक्नोलॉजी पुणे, क्लस्टर इनोवेशन सेंटर, दिल्ली विश्वविद्यालय इत्यादि शामिल हैं।

ग) व्यवसाय विकास एवं सूक्ष्म उद्यम

सूक्ष्म उद्यम नवप्रवर्तन निधि (एमवीआईएफ)

सूक्ष्म उद्यम नवप्रवर्तन निधि (एमवीआईएफ) के तहत नवप्रवर्तकों की नौ परियोजनाओं को वित्तीय समर्थन प्रदान किया गया। इस वर्ष स्वीकृत किए गए कुल रु ३५.५ लाख में से लगभग रु ३१ लाख संवितरित किए गए। एमवीआईएफ में नवप्रवर्तकों द्वारा की जाने वाली वापसी के तहत रु ५३ लाख प्राप्त किए गए।

'गन्ने की आंख निकालने का यंत्र' - टाटा एग्रीको के साथ हुए समझौते के तहत लिया गया सबसे पहला नवप्रवर्तन

प्रौद्योगिकी हस्तांतरण /नवीकरण

मिट्टीकूल क्ले प्रोडक्ट्स के गैर-एक्सक्लूसिव अंतर्राष्ट्रीय विपणन अधिकारों को अल्टेयर मैनजमेंट कंसल्टेंट्स, दुबई को सौंपा गया। नवप्रवर्तित जलपात्र की प्रौद्योगिकी को रानप्र पुरस्कार प्राप्तकर्ता मनसुखभाई प्रजापति को हस्तांतरित किया गया। मनसुखभाई ने हॉर्बो कॉर्प, अमेरिका से मिट्टी कूल रेफ्रीजरेटर की १०० इकाइयों का एक ऑर्डर भी प्राप्त किया।

ज्ञान/रानप्र ने हस्तचालित गन्ने का रस निकालने वाले घरेलू यंत्र के गैर-एक्सक्लूसिव निर्माण एवं विपणन अधिकार एक अहमदाबाद स्थित उद्यमी को हस्तांतरित किए, जिसने डिज़ाइन में उल्लेखनीय सुधार किया। इस संशोधित डिज़ाइन को आईआईएम अहमदाबाद में दिसंबर २०१२ में आयोजित हुए पारंपरिक खाद्य महोत्सव के दौरान प्रदर्शित किया गया था।

मार्च २०१२ में रानप्र ने तृणमूल प्रौद्योगिकीय नवप्रवर्तन अधिग्रहण निधि (जीटीआईएएफ) के तहत गोपाल भिसे के साइकिल आधारित निराई यंत्र के बौद्धिक संपदा एवं संबंधित ज्ञान अधिकारों और/या स्वतंत्र अधिकारों का अधिग्रहण किया था। नवंबर २०१२ में रानप्र ने इस साइकिल आधारित निराई यंत्र के गैर-एक्सक्लूसिव निर्माण एवं विपणन अधिकारों को हैदराबाद के एक उद्यमी को हस्तांतरित किया, जिसने निराई यंत्र के मानकीकरण हेतु आवश्यक जुड़नार विकसित किए। रानप्र ने ज्ञान पश्चिम के माध्यम से अमरावती, महाराष्ट्र स्थित उद्यमी को सौर प्राकृतिक जल संबंधी पूर्व में हुए प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के नवीकरण को भी संपन्न कराया। इस समझौते के तहत उद्यमी के पास इस नवप्रवर्तन हेतु महाराष्ट्र राज्य में एक्सक्लूसिव विनिर्माण एवं विपणन अधिकार होंगे।

तृणमूल प्रौद्योगिकियों के वाणिज्यीकरण हेतु फ्यूचर ग्रुप के सहयोग से आइडिया इंडिया का इनोवेशंस प्रा.लि.कंपनी की स्थापना

रानप्र और फ्यूचर ग्रुप द्वारा एक लाभकारी कंपनी आइडिया इंडिया का इनोवेशंस प्रा. लि. स्थापित की गई है, जो वैश्विक बाजारों को दृष्टिगत रखते हुए बाजार अनुसंधान, उत्पाद विकास एवं उत्पाद निर्माण गतिविधियों द्वारा रानप्र प्रौद्योगिकियों पर काम करेगी। कंपनी ने विभिन्न ऐसे उत्पादों को छांटा है जिन्हें पहले संयुक्त खोज लैब पहल के तहत चयनित किया गया था। रानप्र और फ्यूचर ग्रुप दोनों की ही इसमें पचास-पचास प्रतिशत अंशधारिता रहेगी, जिसमें से रानप्र का अपना निवेश नवप्रवर्तकों की ओर से प्रौद्योगिकियों के रूप में ही होगा। कंपनी उन उत्पादों को प्रस्तुत करेगी जो सही मायनों में भारतीय होंगे और इनकी ब्रांडिंग *आइडिया इंडिया का* के रूप में होगी। यद्यपि आगे की प्रगति धीमी रही है, लेकिन यह उम्मीद है कि शीघ्र ही यह गति पकड़ेगी।

तृणमूल नवप्रवर्तनों के वाणिज्यीकरण के लिए टाटा एग्रीको के साथ समझौता

कृषि उपकरणों के क्षेत्र में परस्पर सहयोग हेतु रानप्र और टाटा एग्रीको के बीच ६ जनवरी, २०१३ को एक एमओयू हस्ताक्षरित हुआ, जो कि एक नई शुरूआत है। इस समझौते के तहत रानप्र में पंजीकृत तृणमूल नवप्रवर्तकों द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियों की सह-ब्रांडिंग करेगा। इस पहल की शुरूआत रोशनलाल विश्वकर्मा के गन्ने की आंख निकालने वाले यंत्र की सह-ब्रांडिंग के साथ हुई है। टाटा एग्रीको नवप्रवर्तक से इस यंत्र को प्राप्त करेगा और उसे टाटा आउटलेटों के माध्यम से बेचेगा। इसमें लाभ के एक नियत अंश को नवप्रवर्तक को दिया जाएगा। एक बार यह पायलेट परियोजना पूरी होती है तो रानप्र डेटाबेस की कई अन्य प्रौद्योगिकियों की इस समझौते के तहत सह-ब्रांडिंग की जाएगी।

आईएसआईएस इनोवेशन, ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के साथ समझौता

वैश्विक स्तर पर तृणमूल नवप्रवर्तनों को आगे बढ़ाने की कोशिशों के क्रम में रानप्र ने आईएसआईएस इनोवेशन लिमिटेड के साथ एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं। आईएसआईएस इनोवेशन ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय की प्रौद्योगिकी वाणिज्यीकरण कंपनी है। इस एमओयू के विषय क्षेत्र में विभिन्न गतिविधियों की योजना बनाई गई है, जिसमें अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विपणन, त्वरित प्रौद्योगिकी मूल्यांकन एवं वाणिज्यीकरण के तरीके, रणनीतिक समर्थन, प्रशिक्षण एवं उद्यमिता, प्रौद्योगिकी विकास समर्थन उद्योग एवं निवेशकों के साथ संबंध निर्माण तथा प्रौद्योगिकी एवं कंपनी अधिग्रहण समर्थन शामिल हैं।

नवप्रवर्तकों की कंपनियां स्थापित करना

रानप्र में नवप्रवर्तकों के लिए स्वयं स्वामित्व वाली या प्राइवेट लिमिटेड वाली कंपनियों की स्थापना की पहल ली है। पहले चरण में १३ नवप्रवर्तकों को इसमें लिया गया है। इस पहल के चलते नवप्रवर्तकों को अपने उत्पादों के निर्माण एवं विपणन के साथ ही साथ निवेशकों को आकर्षित करने में भी मदद मिलेगी। एक नवप्रवर्तक की कंपनी गठित हो चुकी है, जबकि शेष के लिए प्रक्रिया जारी है।

प्रौद्योगिकी समाशोधन गृहों (क्लीयरिंग हाउसेज) को तैयार करना

फैब्रीकेटरों, उद्यमियों और निवेशकों को आकर्षित करने के क्रम में नवंबर एंव दिसंबर २०१२ में देश के प्रमुख समाचार पत्रों में एक विज्ञापन प्रकाशित कराया गया, जिसके परिणाम स्वरूप रानप्र को लगभग ३०० पूछतांछे प्राप्त हुईं। राष्ट्रपति भवन में मार्च २०१३ में आयोजित चौथी नवप्रवर्तन प्रदर्शनी के दौरान प्रौद्योगिकी लाइसेंसीकरण के लिए तैयार प्रौद्योगिकियों के प्रदर्शन हेतु एक माइंड-टू-मार्केट (विचार बाजार तक) पवेलियन बनाया गया था। विभिन्न प्रौद्यागिकियों के वाणिज्यीकरण के लिए इच्छुक कंपनियों के साथ समझौतों हेतु लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

अन्य गतिविधियां

चाय एवं कॉफी संबंधित नवप्रवर्तनों के सामाजिक एवं वाणिज्यिक प्रसार के दृष्टिगत विश्व चाय एवं कॉफी प्रदर्शनी में रानप्र की व्यवसाय विकास टीम ने भागीदारी की। कर्नाटक सरकार द्वारा ६-८ जून, २०१२ के दौरान बंगलौर में आयोजित वैश्विक निवेशक सम्मेलन (जीआईएम) में भारत के आठ राज्यों तथा विश्व भर के ३९ देशों से आए ४५० से अधिक भागीदारों के साथ रानप्र ने भी इस अवसर पर नवप्रवर्तनों को प्रदर्शित किया। इस आयोजन के दौरान ४०,००० से अधिक लोगों ने आयोजन स्थल पर नानाविध प्रदर्शित वस्तुओं को देखा। रानप्र ने ११ नवप्रवर्तित उत्पाद प्रदर्शित किए थे और साथ ही रानप्र के साहित्य का भी बड़े पैमाने पर वितरण किया था। रानप्र की व्यवसाय विकास टीम तृणमूल प्रौद्योगिकियों के लिए व्यवसाय योजना प्रतियोगिता आयोजित करने के संदर्भ में एमडीआई, गुणगांव के साथ मिलजुल कर काम कर रही है।

इंटर्नशिप

रानप्र की व्यवसाय विकास टीम ने आईआईएम अहमदाबाद, पीडीपीयू गांधीनगर, इरमा, आनंद, एसआईडी, पुणे, जीबी पंत समाज विज्ञान संस्थान, इलाहाबाद इत्यादि के विद्यार्थियों को इंटर्नशिप की सुविधा प्रदान की।

घ) बौद्धिक संपदा अधिकार प्रबंधन

इस वित्तीय वर्ष के दौरान विभिन्न कानूनी फर्मों की सार्वजनिक हितार्थ (प्रो बोनो) मदद से कुल ९४ पेटेंट आवेदन फाइल किए गए। इनमें से एक आवेदन पेटेंट सहयोग संधि (पीसीटी) के तहत किया गया। किसानों द्वारा विकसित पौधा किस्मों के संरक्षण हेतु छह आवेदन पीपीवी एंड एफआरए में फाइल किए गए। रानप्र ने पीसीटी के तहत फाइल किए गए २३ आवेदनों के लि इंटरनेशनल सर्च अथॉरिटी (आईएसए) रिपोर्टें भी प्राप्त

कीं और भारतीय पेटेंट कार्यालय से २७ आवेदनों की प्रथम जांच रिपोर्टें (एफईआर) प्राप्त कीं। आईपीआर टीम ने ६२ आवेदनों के सबंध में राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण (एनबीए) के साथ भी समन्वय बनाकर काम किया।

ङ) सूचना प्रौद्योगिकी

वेबसाइट का नया स्वरूप

रानप्र ने अप्रैल २०१३ में अपनी वेबसाइट को एक नया स्वरूप प्रदान किया। इसमें खोज सुविधा को ईष्टतम बनाने का प्रयास किया गया है और सभी पुरस्कार उप डोमेनों को एक समरूप फॉर्मेट में विकसित किया गया है। रानप्र के आधिकारिक वेबसाइट बैनर को अभिषेक भगत द्वारा डिज़ाइन किया गया है जो एक विद्यार्थी नवप्रवर्तक हैं और जिन्होंने छठे राष्ट्रीय द्विवार्षिक पुरस्कार कार्यक्रम २०१२ में राष्ट्रीय पुरस्कार जीता है।

इग्नाइट के लिए ऑनलाइन विचार जमा करने का एक मंच

रानप्र वेबसाइट के लिए ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर में एक ऑनलाइन विचार जमा करने का प्लेटफॉर्म विकसित किया गया है जो कि अभी परीक्षण चरण में है। इस प्लेटफॉर्म की मदद से विचारों को जमा करने, उन पर टिप्पणी करने, पसंद करने, उन्हें सोशल मीडिया पर आपस में बांटने के साथ ही साथ विचारों की छंटाई भी आसान हो जाएगी।

सामुदायिक कार्यशालाओं, साझीदारों और रानप्र पुरस्कार विजेताओं के ऑनलाइन नक्शे तैयार करना

रानप्र की राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के विजेताओं, रानप्र के साथ काम कर रहे साझीदारों, सामुदायिक कार्यशालाओं के नेटवर्क के ऑनलाइन मानचित्रों को विकसित किया गया है। इनमें विभिन्न फिल्टर/ खोज विकल्पों को भी शामिल किया गया है। मानचित्र को छोटा या बड़ा किया जा सकता है और जिला स्तर तक आवश्यकतानुसार चिह्नित किया जा सकता है।

ऑनलाइन शिक्षण लॉग

आईटी टीम ने कर्मचारियों के लिए ऑनलाइन लर्निंग लॉग विकसित किया है, जहां समाचारों, विचारों, निर्देशों, सुझावों इत्यादि को क्रमवार दर्ज किया जा सकता है। यह शिक्षण लॉग सभी सहकर्मियों के अनुभव व ज्ञान को एक जगह एकत्र करने के साथ ही साथ नए कर्मचारियों के लिए परिचय सामग्री का भी काम करेगा।

प्रायर आर्ट सर्च मॉड्यूल

प्रायर आर्ट सर्च को दर्ज करने और उसे संदर्भित करने के कार्य को सुव्यवस्थित करने के लिए आईटी टीम द्वारा एक मॉड्यूल विकसित किया गया है, जिसे नवप्रवर्तन अभिलेख अनुरक्षण हेतु रानप्र द्वारा उपयोग किए जा रहे डेटाबेस के साथ जोड़ा गया है। इसकी समीक्षा की जा रही है और सहकर्मियों से प्राप्त होने वाले सुझावों के आधार पर अद्यतन किया जा रहा है।

रानप्र डीवीडी एवं किऑस्क सॉफ्टवेयर

रानप्र की नई डीवीडी पर काम पूरा हो चुका है जिसमें खोज सुविधा भी है। डेटा की गहन जांच के बाद इसका हिंदी में अनुवाद किया जाएगा। यही सॉफ्टवेयर यथोचित संशोधनों के बाद रानप्र के सूचना केंद्रों (किऑस्क्स) में भी लगा दिया गया है।

हनीबी पत्रिका की सीडी

रानप्र प्रसार उद्देश्यों की दृष्टि से हनीबी पत्रिकाओं के पुराने अंकों की सीडी का उपयोग करता है। इन सीडी को मुख्य रूप से इस तरह बेहतर बनाया गया है कि पत्रिकाओं को किताब की शैली में पढ़ना आसान हो। साथ ही इसमें डाउनलोड करने की सुविधा हो और यह एक समान्य पीडीएफ के रूप में आसानी से खुले।

च) सूचना प्रसार एवं सामाजिक प्रसार

तृणमूल नवप्रवर्तनों का सामाजिक प्रसार

देश के उन हिस्सों में प्रसार के लिए, जहां तृणमूल नवप्रवर्तन प्रासंगिक जान पड़ते हों, यथोचित उपाय किए जा रहे हैं और इस प्रसार को बढ़ाया जा रहा है। इस क्रम में रानप्र ने सात राज्यों में २५ प्रौद्योगिकियों के प्रवेश/समाजिक प्रसार के लिए प्रस्तावों को स्वीकृति दी है। ये परियोजनाएं विभिन्न ज्ञान केंद्रों एवं ज्ञान इकाइयों तथा अन्य क्षेत्रीय सहयोगियों के माध्यम से क्रियान्वयित की जाएंगी।

तृणमूल प्रौद्योगिकीय नवप्रवर्तन अधिग्रहण निधि (जीटीआईएएफ)

सातवीं राष्ट्रीय शोध सलाहकार समिति की २-७ जनवरी, २०१३ के दौरान हुई बैठकों में देश के विभिन्न हिस्सों में जीटीआईएएफ के तहत अधिगृहीत प्रौद्योगिकियों के सामाजिक प्रसार/ सूचना प्रसार हेतु सुझाव प्राप्त करने के लिए विशेषज्ञों से परामर्श किया गया। इन बैठकों के

दौरान जीटीआईएएफ के तहत अधिग्रहण लायक प्रौद्योगिकियों की पहचान हेतु कई प्रौद्योगिकियों पर चर्चा हुई। वर्तमान वित्तीय वर्ष में रानप्र ने बारह सामाजिक रूप से उपयोगी तृणमूल नवप्रवर्तनों के अधिकारों का अधिग्रहण किया है और इस सबंध में नवप्रवर्तकों को कुल रु ७,२५,००० (रुपये सात लाख पच्चीस हजार मात्र) का भुगतान किया गया है।

प्रदर्शनियों और मेलों में भागीदारी

पणजी में बोटेनिकल सोसाइटी ऑफ गोवा द्वारा ११-१३ मई, २०१२ के दौरान आयोजित कोंकण फल महोत्सव में रानप्र ने पहली बार इस वर्ष भागीदारी की। यहां तृणमूल प्रौद्योगिकियों की एक प्रदर्शनी लगाई गई और आगंतुकों के बीच पत्रिकाओं, पोस्टरों और सीडी का वितरण किया गया। इस प्रदर्शनी में मो. सैदुल्लाह (बिहार) तथा स्वर्गीय द्वारका प्रसाद चौरसिया (उत्तर प्रदेश) द्वारा विकसित जल-स्थल चल साइकिलों के तीन मॉडल विशेष आकर्षण का केंद्र बने रहे। लोग इन्हें देखकर इतना उत्साहित थे कि कई आगंतुकों ने तो इन्हें स्वयं चलाकर देखने की इच्छा जाहिर की। ये साइकिलें आयोजकों को सौंपी गईं ताकि इन्हें तालाब या समुद्र में चलाकर आजमाया जा सके और तत्सबंधी प्रतिक्रियाएं रानप्र को प्राप्त हो सकें।

हैदराबाद में १-१९, २०१२ के दौरान जैव विविधता कंवेंशन पर पक्षों की ग्यारहवीं कांफ्रेंस के साथ-साथ चल रही प्रदर्शनी में रानप्र ने पीपीवीएंडएफआरए, आईएसपीजीआर और जीन कैंपेन के साथ मिलकर भागीदारी की। दिल्ली में २१-२३ अक्टूबर, २०१२ के दौरान इंसपायर कैम्प (डीएसटी) में रानप्र ने बच्चों के नवप्रवर्तनों पर आधारित एक छोटी प्रदर्शनी को लगाया। इस कैंप में देश के विभिन्न हिस्सों से १००० सृजनशील बच्चों को अपने विज्ञान आधारित मॉडलों को प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया गया था। रानप्र ने भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला २०१२ में डीएसटी के पवेलियन में भी भागीदारी की और कई तृणमूल नवप्रवर्तनों को यहां प्रदर्शित किया। इन नवप्रवर्तनों में मुख्य रूप से बहुद्देशीय खाद्य प्रसंस्करण यंत्र, वाहनों के लिए माइलेज बढ़ाने का उपाय, विद्युत स्विचो के लिए कम लागत का रिमोट, एनिमेशन वाली टीशर्ट इत्यादि शामिल थे।

अहमदाबाद में २९-३१ दिसंबर २०१२ के दौरान भारतीय प्रबंध संस्थान के परिसर में विभिन्न हनीबी नेटवर्क सहयोगियों की मदद से सृष्टि ने दसवें पारंपरिक खाद्य महोत्सव सात्विक २०१२ का आयोजन किया था। आयोजन स्थल पर रानप्र द्वारा कई तृणमूलन प्रौद्योगिकियों को प्रदर्शित किया गया। इसके साथ ही कुछ नवप्रवर्तन आधारित उत्पादों का परीक्षण विपणन किया गया तथा विचार प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं और विभिन्न नवप्रवर्तित उत्पादों को खरीदने या लाइसेंसीकरण में इच्छुक उद्यमियों के साथ वार्ताएं की गईं। इस अवसर पर प्रसार उद्देश्यों की दृष्टि से कई पोस्टर लगाए गए और पत्रिकाओं एवं विवरण पुस्तिकाओं का वितरण किया गया। प्रदर्शनी में रखी कई तृणमूल प्रौद्योगिकियों पर आगंतुकों की प्रतिक्रियाएं प्राप्त की गईं। आगंतुकों के इन विचारों को इन प्रौद्योगिकियों के मूल्य परिवर्धन या व्यवसाय योजना बनाते समय ध्यान में रखा जाएगा। प्रदर्शित नवप्रवर्तनों में अगरबत्ती बनाने वाले तीन यंत्र, समायोजन योग्य टांगों वाला वाकर, संशोधित पिट्ठू छिड़काव यंत्र और कॉफी कुकर शामिल थे। प्रेशर कुकर से कॉफी बनाने वाले उपाय पर लोगों ने अत्यधिक दिलचस्पी दिखाई।

पश्चिम बंगाल में कोलकाता में ३-७ जनवरी, २०१३ के दौरान १००वीं भारतीय विज्ञान कांग्रेस का आयोजन हुआ था, जिसका मुख्य विषय भारत के भविष्य को आकार देने हेतु विज्ञान था। प्राइड ऑफ इंडिया एक्सपो में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के पवेलियन में रानप्र ने तृणमूल नवप्रवर्तकों के नवप्रवर्तनों को प्रदर्शित करने के लिए एक स्टॉल लगाया। इस प्रदर्शनी में बहुद्देशीय खाद्य प्रसंस्करण यंत्र के नवप्रवर्तक धर्मवीर कंबोज (पांचवें राष्ट्रीय द्विवार्षिक पुरस्कार कार्यक्रम में हरियाणा राज्य पुरस्कार विजेता) तथा एनीमेटेड डिजाइन वाली टीशर्ट के नवप्रवर्तक शैलेन्द्र रखेचा (छठे राष्ट्रीय द्विवार्षिक कार्यक्रम में सांत्वना पुरस्कार विजेता) ने भी भाग लिया।

राष्ट्रपति भवन में प्रौद्योगिकियों की प्रदर्शनी

मार्च २०१२ में भारत की तत्कालीन राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा देवीसिंह पाटील ने वर्षा सिंचित फसलों के संबंध में पानी की कमी वाले क्षेत्रों के लिए सचल सिंचाई प्रणालियां विकसित करने का सुझाव दिया था। शुष्क क्षेत्रों में कई बार किसानों को तब भारी नुकसान उठाना पड़ता है, जब फसल के नाजुक चरणों में बारिश का पानी उपलब्ध नहीं हो पाता। रानप्र ने सचल

सिंचाई प्रणालियों को विकसित करने की इस चुनौती को कुछ तृणमूल नवप्रवर्तकों के समक्ष रखा।

धर्मवीर कंबोज (हरियाणा) और राधेश्याम शर्मा (मध्य प्रदेश) ने इस संदर्भ में समाधान सुझाए। इन समाधानों को ७ जुलाई, २०१२ को राष्ट्रपति भवन में माननीय राष्ट्रपति को दिखाया गया। धर्मवीर ने ऐसा उपाया विकसित किया जिसमें मानव चालित रिक्शा पर २५० लीटर तक के पानी को खेत में ले जाया जा सकता है और फसल पर पानी का छिड़काव किया जा सकता है। राधेश्याम शर्मा ने ३०० लीटर की पानी की टंकी के साथ एक स्वतःनोदित (सेल्फ प्रोपेल्ड) सिंचाई प्रणाली बनाई, जिसे खेत में घुमाया जा सकता है, यदि फसल की ऊंचाई २.५ फिट से कम हो। श्रीमती पाटील ने नवप्रवर्तकों एवं रानप्र के प्रयासों को सराहा। उन्होंने तीनों प्रौद्योगिकियों यानी रिक्शा आधारित छिड़काव उपाय, स्वतः नोदित छिड़काव उपाय और टैंकर आधारित छिड़काव उपाय को पसंद किया। उन्होंने पंजाब के राज्यपाल श्री शिवराज पाटील को भी इन नवप्रवर्तनों को देखने के लिए ८ जुलाई, २०१२ को राष्ट्रपति भवन में आमंत्रित किया। श्री शिवराज पाटील ने रानप्र और तृणमूल नवप्रवर्तकों द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की और आश्वासन दिया कि वह इस मुहिम को आगे ले जाने के लिए यथायोग्य कदम उठाएंगे।

तृणमूल नवप्रवर्तन प्रदर्शनी वाहन

तृणमूल नवप्रवर्तन प्रदर्शनी वाहन के पंजीकरण एवं स्वीकृति की आवश्यक औपचारिकताएं पूरी की जा चुकी हैं जैसे ही पंजीकरण संख्या आवंटित होती है तो तृणमूल नवप्रवर्तन प्रदर्शनी वाहन देश भर में दस्तावेजीकरण /प्रसार उद्देश्य के साथ घूमना शुरू कर देगा।

मीडिया एवं प्रकाशन

इंडिया इनोवेट्स नामक नवप्रवर्तन सार संग्रह के द्वितीय संस्करण का अनावरण माननीय राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी द्वारा नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में आयोजित मार्च २०१३ के सातवें राष्ट्रीय तृणमूल नवप्रवर्तन पुरस्कार कार्यक्रम में किया गया। तृणमूल नवप्रवर्तनों एवं विशिष्ट पारंपरिक ज्ञान की सातवीं राष्ट्रीय द्विवार्षिक प्रतियोगिता के पुरस्कार विजेताओं पर आधारित सातवीं राष्ट्रीय पुरस्कार पुस्तक भी इस अवसर के लिए तैयार की गई थी।

हैदराबाद में १-१९, २०१२ के दौरान जैव विविधता कंवेंशन पर पक्षों की ग्यारहवीं कांफ्रेंस के मौके पर पुरस्कृत पौधा किस्मों पर आधारित एक विशेष पुस्तिका रानप्र द्वारा तैयार की गई। इसे कांफ्रेंस में आए गणमान्य व्यक्तियों और अन्य भागीदारों के बीच वितरित किया गया। कई आगंतुकों के बीच एक पैन ड्राइव भी वितरित की गई जिसमें रानप्र का साहित्य था।

रानप्र की द्विवार्षिक प्रतियोगिताओं और इग्नाइट प्रतियोगिताओं में पुरस्कार प्राप्त विद्यार्थियों के विचारों एवं नवप्रवर्तनों का एक सार-संग्रह तैयार किया गया। इग्नाइट १२ प्रतियोगिता के पुरस्कार कार्यक्रम हेतु पुरस्कार विजेता विद्यार्थियों के विचारों एवं नवप्रवर्तनों पर एक पुस्तिका अलग से तैयार की गई।

इंडिया इनोवेट्स पुस्तक के मराठी संस्करण का अनावरण पुणे में रानप्र के अध्यक्ष डॉ आर ए माशेलकर तथा १३वें वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ विजय केलकर द्वारा किया गया। इंडिया इनोवेट्स देश के विभिन्न हिस्सों के तृणमूल नवप्रवर्तनों का एक सार संग्रह है। इंडिया इनोवेट्स (मराठी) को सृष्टि इनोवेशन्स, अहमदाबाद और अमेया प्रकाशन, पुणे द्वारा संयुक्त तौर पर प्रकाशित किया गया है। दिसंबर २०१२ में तृणमूल स्तर पर सृजनात्मकता एवं नवप्रवर्तनों पर दूसरी अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस के दौरान हनीबी नेटवर्क के सबसे पुराने सहयोगी मुदरै, तमिलनाडु के पी विवेकानंदन ने सभी प्रतिभागियों को उपहारस्वरूप यह पुस्तक भेंट की।

तृणमूल नवप्रवर्तनों पर रेडियो शृंखला

विज्ञान प्रसार एवं ऑल इंडिया रेडियो की सहभागिता में तेरह कड़ियों की एक शृंखला की शुरूआत २४ जनवरी, २०१३ को हुई। इसमें प्रत्येक एपीसोड में दो नवप्रवर्तकों के बारे में बताया गया। यह शृंखला क्षेत्रीय भाषाओं में सभी क्षेत्रीय चैनलों द्वारा सफलतापूर्वक प्रसारित की गई।

जी क्यू टेलीविजन चैनल पर टीनोवेशन

जी क्यू चैनल पर प्रसारित किए गए शो टीनोवेशन में रानप्र ज्ञान सहयोगी था। इस २६ कड़ियों वाली टेलीविजन शृंखला में रानप्र की इग्नाइट प्रतियोगिताओं के विजेताओं और भागीदारों को चित्रित किया गया था। टीनोवेशन में १२वें इंडियन टेली अवार्ड्स २०१३ में सर्वोत्कृष्ट शिक्षा मनोरंजन/ ज्ञान आधारित शो का एक पुरस्कार प्राप्त किया।

कांफ्रेंस, सेमीनार और कार्यशालाएं

लीमा, पेरु में ग्रमीण नवप्रवर्तनों को आगे बढ़ाने पर एक अंतर्राष्ट्रीय सेमीनार

लीमा, पेरु में ७-९ मई, २०१२ को इंटरनेश्नल डेवलपमेंट रिसर्च सेंटर (आईडीआरसी) द्वारा आयोजित ग्रामीण नवप्रवर्तनों के उन्नयन पर अंतर्राष्ट्रीय सेमीनार में सृष्टि, रानप्र एवं हनीबी नेटवर्क का प्रतिनिधित्व रानप्र के मुख्य नवप्रवर्तन अधिकारी डॉ विपिन कुमार ने किया। इस कार्यशाला में जिन प्रमुख बिंदुओं को संबोधित किया गया उनमें मुख्य रूप से ये बिंदु शामिल थे - किस प्रकार ग्रामीण नवप्रवर्तन विकसित होते हैं इसकी समझदारी कायम करना, ये नवप्रवर्तन अधिक प्रभावी कैसे बनें और किस प्रकार इनका उन्नयन हो तथा तेजी से बदलती ग्रामीण व्यवस्थाओं में गरीबी एवं असमानता को हटाने में इन नवप्रवर्तनों का उपयोग हो। बाजार एवं निजी हित धारकों की भूमिका के अलावा सार्वजनिक नीतियों की भूमिका पर भी चर्चा हुई। तृणमूल नवप्रवर्तनों के साथ ही साथ व्यावहारिक विचारों के आदान प्रदान पर भी विशेष जोर दिया गया। इस कार्यशाला में डॉ विपिन कुमार मुख्य वक्ता थे और उन्होंने भारत में तृणमूल विचारों, नवप्रवर्तनों के आदान प्रदान, इनके उन्नयन तथा सामाजिक समावेशन पर नेटवर्क के अनुभवों को उपस्थित लोगों के समक्ष रखा।

खाद्य एवं कृषि हेतु पादप आनुवंशिक संसाधनों पर अंतर्राष्ट्रीय संधि बैठक

ब्राजील में ७-८ अगस्त, २०१२ को ब्रासीलिया में आयोजित खाद्य एवं कृषि हेतु पादप आनुवंशिक संसाधनों पर अंतर्राष्ट्रीय संधि की प्रौद्योगिकियों के सह-विकास एवं स्थानंतरण हेतु मंच की बैठक में रानप्र के मुख्य नवप्रवर्तन अधिकारी डॉ विपिन कुमार ने भाग लिया। इस बैठक का आयोजन प्रौद्योगिकी हस्तांतरण एवं सह-विकास के वास्ते एक मंच तैयार करने के लिए योजना बनाने हेतु किया गया था। अंतर्राष्ट्रीय संधि हेतु रियो छह सूत्रीय कार्य योजना के दृष्टिगत यह तय किया गया कि विकासशील देशों में छोटे किसानों के लाभ हेतु खाद्य एवं कृषि के पादप आनुवांशिक संसाधनों के प्रौद्योगिकीय हस्तांतरण को सुनिश्चित करने, बढ़ावा देने एंव समर्थन करने के लिए एक एकीकृत वैश्विक प्रविधि तैयार की जाए, जो प्रभावी लाभ साझेदारी के प्रति अभिनव दृष्टिकोण सामने रख सकती है।

इस मंच को स्थापित करने में वैविध्यपूर्ण विशेषज्ञताओं से लैस संस्थानों की भूमिका अहम रहेगी और इसके द्वारा लाभार्थियों की आवश्यकताओं को पूरा करने में प्रौद्योगिकी हस्तांतरण को सक्षम करने के लिए यथोचित विधियां सृजित करने में मदद मिलेगी। इसके अतिरिक्त लाभों की योजना इस तरह बनाई गई है कि इसमें उन्नत खाद्य सुरक्षा, सामाजिक एंव आर्थिक विकास, कृषि प्रणाली में सुधार तथा पीजीएफआरए के उपयोग द्वारा जलवायु परिवर्तन के प्रति बेहतर क्षमता सुनिश्चित हो सके।

तृणमूल स्तर की सृजनात्मकता एवं नवप्रवर्तनों पर दूसरी अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस (आईसीसीआईजी)

जनवरी, १९९७ में सृष्टि के सहयोग से आईआईएम अहमदाबाद में आयोजित हुई पहली आईसीसीआईजी की संस्तुतियों के अनुपालन के अगले चरण के रूप में तृणमूल स्तर की सृजनात्मकता एवं नवप्रवर्तनों पर दूसरी अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस सम्पन्न हुई। पहली कांफ्रेंस का प्रभाव १९९७ में ज्ञान की स्थापना एवं आगे चलकर २००० में रानप्र की स्थापना के रूप में सामने आया। एक और अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला तृणमूल नवप्रवर्तनों एवं पारंपरिक ज्ञान के इर्दगिर्द वैश्विक मूल्य शृंखला निर्मित करने के विषय में हुई थी (३१ मई - २ जून, २००७, तियानजिन वित्त एवं अर्थशास्त्र विश्वविद्यालय, तियानजिन, चीन), जिसमें चीन, ब्राजील एंव भारत के नवप्रवर्तकों एवं उद्यमियों को परामर्श, उद्भवन एवं ऑन लाइन समर्थन सुविधाएं सृष्टि के इन्फोडेव द्वारा समर्थित परियोजना के माध्यम से प्रदान करने का उद्देश्य सामने रखा गया था। इस अवसर पर समरसता पूर्ण विकास के लिए तृणमूल नवप्रवर्तनों को प्रोत्साहित करने हेतु तियानजिन घोषणा भी जारी हुई थी।

दूसरी आईसीसीआईजी कांफ्रेंस का आयोजन चीन और भारत में हुआ ताकि क्षेत्र में कार्यरत विशेषज्ञों एवं व्यवहारकर्ताओं को आमंत्रित कर विषय पर सामूहिक समझ को अद्यतन किया जा सके। आईसीसीआईजी का पहला हिस्सा ३-५ दिसंबर, २०१२ के दौरान तियानजिन वित्त एवं अर्थशास्त्र विश्वविद्यालय (टीयूएफई), तियानजिन, चीन में आयोजित किया गया तथा दूसरा हिस्सा ७-८ दिसंबर, २०१२ के दौरान आईआईएम अहमदाबाद में आयोजित किया गया। कांफ्रेंस के दौरान इस क्षेत्र में मौजूदा स्थिति का जायजा लेने तथा हनीबी नेटवर्क के माध्यम से इस विषयक विगत २५ वर्षों के

शोध एवं कार्यों से प्राप्त सबकों का निचोड़ निकालने का प्रस्ताव सामने आया।

कांफ्रेंस के पहले हिस्से में चीन में विभिन्न देशों के ६५ प्रतिभागियों ने हिस्सेदारी की। इनमें भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका, दक्षिण कोरिया, जिम्बाब्वे, स्विट्जरलैंड, जापान, मैक्सिको और जर्मनी के प्रतिनिधि शामिल थे। प्रतिभागियों में भारत के तृणमूल नवप्रवर्तकों (मनसुखभाई पटेल, गुजरात कपास से रुई निकालने का यंत्र, दीपक भराली, असम - हतकरघों में डिज़ाइन निर्माण हेतु चुम्बकीय बॉबिन, सी मल्लेशम, आंध्र प्रदेश - असु निर्माण यंत्र) और सहयोगियों व नीति निर्माताओं ने भी हिस्सेदारी की। चीन के अकादमिक जगत, उद्योग एवं नीति निर्माण से जुड़े व्यक्तियों के अलावा नेटवर्क के प्रकाशनों में पूर्व में प्रकाशित कुछ चीनी नवप्रवर्तक जैसे कि चेन गुआंगशिंग, लवशेंगझान, डिंग वेनडोउ और ली रोंगबियाओ भी इस मौके पर उपस्थिति थे। इस अवसर पर टीयूएफई विद्यार्थियों ने कई दिलचस्प प्रोजेक्ट भी प्रस्तुत किए। इनमें से कुछ न केवल नयापन लिए हुए थे, बल्कि उनमें से ऐसी परिपक्वता और व्यावहारिकता झलक रही थी, जैसे कुशल विशेषज्ञों के कामों में नजर आती है। पैनल चर्चाओं में अंतर्राष्ट्रीय दृष्टिकोण भी सामने आए। चीनी खंड के समापन अवसर पर प्रोफेसर लियान झांग, टीयूएफई और चीन में उनकी टीम द्वारा समन्वित चिन (चीनी नवप्रवर्तन नेटवर्क, हनीबी नेटवर्क की चीनी शाखा) के प्रयासों की सराहना की गई। नवप्रवर्तकों ने वहां पर नेटवर्क को और मजबूत बनाने पर जोर दिया।

द्वितीय आईसीसीआईजी, तियान्जिन, चीनः व्हीलचेयर का प्रदर्शन जिसे सीढ़ियों पर भी इस्तेमाल किया जा सकता है

कांफ्रेंस के दूसरे हिस्से में अहमदाबाद में लगभग १५० प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। विभिन्न देशों से आए प्रतिनिधियों, नवप्रवर्तकों, नवप्रवर्तनशील शिक्षकों इत्यादि ने चर्चाओं में हिस्सा लिया। कांफ्रेंस के अहमदाबाद अध्याय ने सुचिंतित तौर पर परस्पर संवाद के सत्रों का आयोजन किया। संपन्न हुई चर्चाओं में तृणमूल नवप्रवर्तकों को प्रोत्साहन, बौद्धिक संपदा संरक्षण, प्रोत्साहन एवं आकर्षण के वैकल्पिक मॉडल, गतिशील एंव स्थैतिक बहुभाषी डेटाबेसों की संरचनाएं, ऑनलाइन एवं ऑफ लाइन प्लेटफॉर्मों का सशक्तिकरण, नीतिगत खालीपन को चिह्नित करने नवप्रवर्तन परिवेश को अधिक मजबूत बनाने, सृजनात्मक शिक्षा शास्त्र को बढ़ावा देने के उपाय, शिक्षा, सांस्कृतिक सृजनात्मकता को प्रोत्साहन एवं सम्मान जैसे विषय शामिल थे। तियानजिन एवं अहमदाबाद में सामने आए विचारों को दृष्टिगत रखते हुए अहमदाबाद घोषणा तैयार की गई। यह योजना बनी है कि रानप्र के सक्रिय सहयोग से दिसंबर २०१४ या जनवरी २०१५ में तृतीय आईसीसीआईजी का आयोजन किया जाएगा।

३. नई पहलें

राष्ट्रपति पहलें २०१२-२०१७ : नवप्रवर्तन, शिक्षा एवं समाज

रानप्र के अध्यक्ष डॉ आर ए माशेलकर और रानप्र के कार्यकारी उपाध्यक्ष प्रो. अनिल कुमार गुप्ता ने राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली में २४ जनवरी, २०१३ को माननीय राष्ट्रपति के समक्ष नवप्रवर्तन की परंपरा निर्मित करने हेतु हनीबी नेटवर्क और रानप्र की परिकल्पना को सामने रखा। माननीय राष्ट्रपति की अध्यक्षता में कुलपतियों के सम्मेलन में ७ फरवरी, २०१३ को प्रत्येक केंद्रीय विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय नवप्रवर्तन क्लब (एनआईसी)

स्थापित करने तथा एक प्रेरित शिक्षक नेटवर्क आरंभ करने की घोषणा के रूप में इसका सुखद परिणाम सामने आया। इसके पीछे विचार यह है कि औपचारिक प्रणाली को स्थानीय नवप्रवर्तकों, कलाकारों एवं कारीगरों के साथ जोड़ा जाए और उनके लिए बाजार अवसरों को सृजित किया जाए। नवप्रवर्तन क्लब नवप्रवर्तनों को खोजेंगे और फैलाएंगे, अनसुलझी समस्याओं का पता लगाएंगे या इनके मानक तय करेंगे तथा आसपास के विशिष्ट सृजनात्मक लोगों की उपलब्धियों को सम्मानित करेंगे। यह विमर्श हुआ कि प्रत्येक सार्वजनिक भवन की एक दीवार स्थानीय लोक कलाकारों को उपलब्ध कराई जानी चाहिए जिस पर वे अपनी कला एंव संस्कृति को प्रदर्शित करें। इससे देश में एक समावेशी नवप्रवर्तनशील परिवेश निर्मित होने में मदद मिलेगी। राष्ट्रपति महोदय ने तय किया है कि वे विभिन्न केंद्रीय विश्वविद्यालयों में अपने भ्रमण के दौरान कोशिश करेंगे कि : क) तृणमूल नवप्रवर्तकों से मुलाकात हो और एक प्रदर्शनी का उद्घाटन हो, ख) राष्ट्रीय नवप्रवर्तन क्लब के स्थानीय अध्याय का शुभारंभ हो, ग) विश्वविद्यालय को प्रेरित किया जाए कि वह नवप्रवर्तकों को समर्थन प्रदान करे और उन्हें कक्षाओं में विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए आमंत्रित करे, घ) प्रेरित शिक्षकों से मुलाकात हो।

स्कूली विद्यार्थियों के लिए राष्ट्रीय नवप्रवर्तन छात्रवृत्ति

राष्ट्रीय नवाचार परिषद द्वारा सुझाई गई एवं एमएचआरडी द्वारा क्रियान्वयित की जाने वाली राष्ट्रीय नवप्रवर्तन छात्रवृत्ति योजना लगभग अंतिम रूप ले चुकी है और इस संबंध में आवश्यक उपायों पर विचार कर इसे २०१३ में ही शुरू कर देने की योजना है। रानप्र विभिन्न क्षेत्रों के आईआईटी के साथ मिलकर इस योजन को अमल में लाने के लिए नोडल एजेंसी की भूमिका निभाएगा।

इस योजना के तहत कक्षा ८ से कक्षा १२ तक के या स्कूल से बाहर हो चुके १८ वर्ष की उम्र तक के बच्चों की सृजनात्मक भावना को पोषित करने और उनके नवप्रवर्तित विचारों को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से १००० बच्चों (व्यक्तिगत या सामूहिक रूप में) को प्रतिवर्ष चिह्नित किया जाएगा और उन्हें वार्षिक नवप्रवर्तन छात्रवृत्ति (रु. ५०,०००- रु. ७५,०००) प्रदान की जाएगी। यदि विद्यार्थी द्वारा विचार को प्रोटोटाइप में बदला जाता है तो उसे अतिरिक्त धनराशि भी प्रोत्साहन के रूप में दी जा सकती है और साथ ही विद्यार्थी द्वारा इसके लिए पेटेंट भी फाइल किया जा सकता है।

माननीय राष्ट्रपति महोदय के साथ मुलाकात

४. सांस्थानिक नीतियां

राजभाषा नीति : सरकार की राजभाषा नीति के क्रियान्वयन के लिए रानप्र ने कुछ पहलें ली हैं। रानप्र के सभी पोस्टर और प्रसार सामग्री को हिंदी और अंग्रेज़ी दोनों में ही उपलब्ध कराया जाता है। ऐसे प्रयास किए जा रहे हैं कि प्रकाशनों को हिंदी के साथ ही साथ क्षेत्रीय भाषाओं में भी तैयार किया जाए। सृष्टि इनोवेशंस के हिंदी प्रकाशन सूझबूझ आसपास की नामक पत्रिका के प्रचार-प्रसार में भी रानप्र मदद करता है। तृणमूल

नवप्रवर्तनों के बारे में यह पत्रिका हिंदी भाषी क्षेत्रों के लिए है।

इसके अतिरिक्त रानप्र क्षेत्रीय भाषाओं को बढ़ावा देने के भी निरंतर प्रयास करता है। रानप्र में प्राप्त होने वाले सभी पत्रों के उत्तर उसी भाषा में दिए जाते हैं, जिसमें पत्र लिखा होता है। इसके लिए अनुवादकों की सेवाएं ली जाती हैं। रानप्र छह क्षेत्रीय भाषाओं में निकलने वाली पत्रिकाओं को भी व्यापक प्रसार हेतु खरीदता है। ये भाषाएं हैं उड़िया, तेलुगू, तमिल, कन्नड़ और मलयालम एवं गुजराती।

हिंदी दिवस समारोह

५. प्रशासनिक मामले

निदेशक/मुख्य नवप्रवर्तन अधिकारी की नियुक्ति

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा संचालित किए गए एक साक्षात्कार में डॉ विपिन कुमार को रानप्र के निदेशक/मुख्य नवप्रवर्तन अधिकारी के रूप में चयनित किया गया। डॉ कुमार ने इस प्रस्ताव को स्वीकार किया और इस पद पर २२ नवंबर, २०१२ को कार्यभार ग्रहण कर लिया।

वैज्ञानिकों की नियुक्ति

डॉ. आर.ए. माशेलकर की अध्यक्षता में एक साक्षात्कार समिति ने ७ जुलाई, २०१२ को तेईस अभ्यर्थियों का साक्षात्कार लिया और निम्नलिखित अभ्यर्थियों के चयन हेतु अपनी संस्तुति दी

१. वरिष्ठ नवप्रवर्तन अधिकारी/ वैज्ञानिक डी पद के लिए डॉ रवि कुमार आरके
२. नवप्रवर्तन अधिकारी/ वैज्ञानिक सी पद के लिए इं० राकेश कुमार माहेश्वरी
३. नवप्रवर्तन अधिकारी/ वैज्ञानिक सी पद के लिए सुश्री भानुमती आर

पहले दो अभ्यर्थियों ने प्रस्ताव स्वीकार कर रानप्र में अपना कार्यभार ग्रहण कर लिया। सुश्री भानुमती आर ने इस प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया और इस तरह यह निरस्त हो गया।

फैलो और रिसर्च एसोशिएट पदों पर नियुक्ति

रानप्र में विभिन्न विभागों में फैलो, रिसर्च एसोशिएट तथा मैनेजर के पदों पर चयन हेतु प्रो अनिल कुमार गुप्ता की अध्यक्षता में २४-२५ जनवरी, २०१३ के दौरान साक्षात्कार आयोजित किए गए। कुल ३१ अभ्यर्थियों का साक्षात्कार हुआ और इनमें से १८ अभ्यर्थी चयनित हुए।

रानप्र का परिणाम रूपरेखा दस्तावेज

रानप्र को प्रदर्शन प्रबंधन प्रभाग, केंद्रीय सचिवालय द्वारा एक फरवरी, २०१३ को परिणाम रूपरेखा दस्तावेज (आरएफडी) पर चर्चा हेतु अस्थायी कार्यबल (एटीएफ) के साथ बैठक हेतु आमंत्रित किया गया था। प्रो अनिल कुमार गुप्ता ने रानप्र की प्रगति और गतिविधियों पर एक प्रस्तुति को एटीएफ सदस्यों के सामने रखा। एटीएफ ने प्रो गुप्ता की प्रस्तुति के लिए उन्हें सराहा और रानप्र द्वारा किए गए परिवर्तनकारी कार्यो हेतु सराहना की। एटीएफ ने यह भी सुझाव दिया कि डीएसटी रानप्र की गतिविधियों के बारे में अन्य विभागों/ मंत्रालयों के बीच जागरूकता बढ़ाए और रानप्र के साथ और अधिक मजबूत संबंध निर्माणों को सुनिश्चित करे।

रानप्र ने वर्ष २०१२-१३ के लिए आरटीआई का और वर्ष २०१३-१४ के लिए आरएफडी का वार्षिक प्रतिवेदन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग को जमा किया।

६. समाहार

यह वर्ष गतिविधियों से परिपूर्ण रहा, जिसमें प्रतिष्ठान के सभी विभाग नई साझेदारियां विकसित करने पुराने प्रयासों को सशक्त करने और सेवा सुधार हेतु नई पहले लेने तथा परिणामों एवं प्रभावों को बढ़ाने तथा परिणामों

को अमल में लाने के लिए पूरी तरह कर्मरत रहे। मूल्य परिवर्धन एवं प्रमाणीकरण तथा बौद्धिक संपदा अधिकार संरक्षण की दिशा में होने वाले प्रयासों में विशेष बढ़ोत्तरी रही। तृणमूल प्रौद्योगिकियों के सामाजिक एवं वाणिज्यिक प्रसार में विगत वर्षों की तुलना में काफी अभिवृद्धि हुई। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, हनीबी नेटवर्क और अन्य हितधारकों द्वारा मिल रहे सक्रिय समर्थन के दृष्टिगत रानप्र को उम्मीद है कि तृणमूल नवप्रवर्तकों की सेवा करने के अपने प्रयासों में तथा व्यापक रूप में समाज तक उनके कार्यों के लाभों को पहुंचाने में उत्तरोत्तर प्रगति होती रहेगी।

स्वैच्छिक कार्यकर्ताओं को आमंत्रण

प्रतिवेदन के तहत अभिव्यक्त हुई गतिविधियों से यह स्पष्ट ही है कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के एक अभिन्न अंग हो जाने के बावजूद रानप्र अपने लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए सभी क्षेत्रों एवं कार्यों में स्वैच्छिक कार्यकर्ताओं को शामिल करना जारी रखे हुए है। रानप्र हमेशा ही ऐसे स्वैच्छिक कार्यकर्ताओं की तलाश में रहता है जो तृणमूल नवप्रवर्तनों एवं विशिष्ट पारंपरिक ज्ञान के इर्दगिर्द की मूल्य शृंखला के किसी भी पहलू में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने के इच्छुक हों। इच्छुक साथी रानप्र को इस बारे में info@nifindia.org पर लिख सकते हैं और खोज एवं दस्तावेजीकरण, स्कूल में पढ़ रहे या इससे बाहर के बच्चों के विचारों एवं नवप्रवर्तनों को एकत्र करने, अनौपचारिक क्षेत्र, ग्रामीण क्षेत्र या शहरी अनौपचारिक क्षेत्रों से नवप्रवर्तन खोजने, मूल्य परिवर्धन, प्रमाणीकरण, व्यवसाय विकास, प्रसार, मीडिया रणनीति बनाने, उत्पादों को डिज़ाइन करने, पेटेंट या ट्रेडमार्क फाइल करने, कहानियां/आलेख लिखने, फिल्में बनाने में अपना योगदान देकर स्वैच्छिक कार्यकर्ता भारत को नवप्रवर्तनशील बनाने की इस विशाल मुहिम में शामिल हो सकते हैं या आप केवल यह भी कर सकते हैं कि प्रत्येक गर्मी एवं जाड़े में होने वाली शोधयात्राओं के दौरान हनीबी नेटवर्क के स्वैच्छिक कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर पदयात्रा करें।

लेखापरीक्षक का प्रतिवेदन एवं तुलना-पत्र
२०१२- २०१३

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान-भारत,
बंबई सार्वजनिक न्यास अधिनियम, १९५० के तहत पंजीकृत एक न्यास, पंजीकरण सं. का नाम : एफ/७४१२/अहमदाबाद
सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, १८६० के तहत पंजीकृत एक संस्था, पंजीकरण सं. – जीयूजे/७५६७/अहमदाबाद

वित्तीय विवरणों पर प्रतिवेदन

हमने **राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान-भारत** (''न्यास'' या ''संस्था'') के संबंधित वित्तीय विवरणों का लेखा परीक्षण किया है जिसमें ३१ मार्च, २०१३ का तुलन पत्र, इस तिथि को समाप्त होने वाले वर्ष के आय एवं व्यय खाते का विवरण और महत्वपूर्ण लेखा नीतियों के सारांश एवं अन्य व्याख्यात्मक टिप्पणियां शामिल हैं।

वित्तीय विवरणों हेतु प्रबंधन का दायित्व

प्रबंधन का दायित्व है कि वह इन वित्तीय विवरणों को बंबई सार्वजनिक न्यास अधिनियम, १९५०, सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, १८६० और वित्त मंत्रालय द्वारा जारी केंद्रीय स्वायत्त निकायों के लिए वित्तीय विवरण हेतु प्रस्तुतीकरण के वास्ते तैयारी हेतु दिशानिर्देशों के अनुरूप हों। इस दायित्व में उन वित्तीय विवरणों को तैयार करने व प्रस्तुत करने से संबंधित आंतरिक नियंत्रण की योजना, कार्यान्वयन एवं रखरखाव शामिल हैं, जो सामग्रीगत मिथ्याकथन से मुक्त हों, चाहे कपटपूर्ण हो या त्रुटिवश।

लेखा परीक्षकों का दायित्व

हमारा दायित्व हमारे लेखा परीक्षण के आधार पर इन वित्तीय विवरणों पर एक राय व्यक्त करना है। हमने अपना लेखा परीक्षण भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी लेखा परीक्षण मानकों के अनुरूप किया है। इन मानकों की पूर्ति के लिए आवश्यक है कि हम नैतिक दायित्वों का पालन करें और यह तार्किक आश्वस्ति पाने के लिए लेखा परीक्षण की योजना बनाएं कि क्या वित्तीय विवरण सामग्रीगत मिथ्याकथन से मुक्त हैं।

किसी लेखा परीक्षण में वित्तीय विवरणों में हुए प्रकटीकरण और राशियों के प्रारे में लेखा प्रमाण प्राप्त करने संबंधी प्रक्रियाओं को अमल में लाना सम्मिलित होता है। लेखापरीक्षकों के विवेक पर निर्भर करता है कि किन प्रक्रियाओं का चयन किया जाए, जिसमें सामग्रीगत मिथ्याकथनों, चाहे कपटपूर्ण हों या त्रुटिवश, के जोखिम मूल्यांकन भी शामिल होते हैं। इन जोखिम मूल्यांकनों में लेखापरीक्षक संस्थान की तैयारी व वित्तीय विवरणों की उचित प्रस्तुति से संबंधित आंतरिक नियंत्रण पर विचार करते हैं ताकि ऐसी लेखा प्रक्रियाएं बनाई जा सकें जो उन परिस्थितियों के अनुरूप हों। किसी लेखा परीक्षण में उपयोग किए गए लेखा सिद्धांतों की उपयुक्तता का मूल्यांकन और प्रबंधन द्वारा किए गए लेखा आगणन के औचित्य के साथ ही साथ वित्तीय विवरणों के समग्र प्रस्तुतीकरण का मूल्यांकन भी शामिल होता है।

हमें विश्वास है कि हमारे द्वारा प्राप्त लेखा प्रमाण हमारी लेखा परीक्षण राय को एक युक्तिसंगत व पर्याप्त आधार प्रदान करते हैं।

हमारी राय

हमारी राय में, हमारी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार और हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के आधार पर वित्तीय विवरण, अधिनियम के अनुसार आवश्यक सूचनाएं यथोचित रूप में प्रदान करते हैं और भारत में सामान्यतया स्वीकृत लेखा परीक्षण सिद्धांतों के अनुरूप निम्नलिखित के प्रारे में एक सही व निष्पक्ष तस्वीर प्रस्तुत करते हैं :
(क) ३१ मार्च, २०१३ को न्यास के क्रियाकलापों की स्थिति के प्रारे मे, तुलन-पत्र के बारे में;
(ख) ३१ मार्च २०१३ को समाप्त हुए वर्ष के लिए आय और व्यय खाते के विवरण के बारे में, व्यय के ऊपर आय की अधिकता के बारे में।

अन्य कानूनी एवं नियामक आवश्यकताओं पर प्रतिवेदन

बंबई सार्वजनिक न्यास, १९५० के खंड ३३(२) के अधीन जैसा अपेक्षित है, हम आगे प्रतिवेदित करते हैं कि –
(क) खातों का प्रतिपालन नियमित रूप से और अधिनियम एवं नियमों के प्रावधानों के अनुसार किया जाता है।
(ख) प्राप्तियां एवं अदायगियां उचित एवं सही ढंग से खातों में प्रदर्शित की जाती हैं।
(ग) अधिकृत व्यक्ति की अभिरक्षा में रखे गए नकद शेष और वाउचर, लेखापरीक्षण की तिथि को, खातों के अनुरूप थे।
(घ) हमारे द्वारा अपेक्षित बहियाँ, विलेख, खाते, वाउचर और अन्य दस्तावेज एवं अभिलेख हमारे समक्ष प्रस्तुत किए गए।
(ङ) न्यास की चल संपत्तियों की एक पंजी, जो न्यासी द्वारा प्रमाणित है, को उचित ढंग से रखा जा रहा है।

(च) पूर्व लेखापरीक्षा प्रतिवेदन में ऐसी कोई त्रुटि या अशुद्धि नहीं है जिसे इसमें शामिल किया जाना है।
(छ) प्रबंधक/न्यासी हमारे सम्मुख उपस्थित हुए और हमारी अपेक्षानुसार आवश्यक सूचना दी।
(ज) न्यास की कोई संपत्ति न्यास के उद्देश्य या लक्ष्य से अलग किसी अन्य उद्देश्य या लक्ष्य के लिए प्रयोग नहीं की गईं।
(झ) एक वर्ष से अधिक से प्रकाया राशि रु. ५२,०९,८२३/- सिडबी (भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक) द्वारा वित्तपोषित एमवीआईएफ (सूक्ष्म उद्यम नवप्रवर्तन निधि) के तहत वित्तीय सहायता के खाते में थी और वर्ष के दौरान बट्टेखाते में भी कुछ नहीं था।
(ञ) मरम्मत या निर्माण में रु. ५,००० से अधिक के व्यय की स्थिति में निविदाएं आमंत्रित की गईं।
(ट) हमें अधिनियम के खंड ३६ के प्रतिकूल अचल संपत्तियों के अन्य संक्रामण का कोई मामला नहीं दिखाई पड़ा है।

सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, १८६० के खंड १२-ई(२) के अनुरूप हम आगे यह प्रतिवेदित करते हैं कि हमें शासी निकाय की ओर से या अन्य किसी व्यक्ति की तरफ से किसी प्रकार की अनियमितता, गैरकानूनी या अनुचित व्यय, या सोसायटी से संबंधित धन या अन्य संपत्ति की रिकवरी में असफलता या इसमें चूक या धन या अन्य संपत्ति की बर्बादी या इसको क्षति पहुंचाने का कोई मामला देखने को नहीं मिला है।

वास्ते मुकेश एम. शाह एंड कं.,
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स
फर्म पंजी. सं.: १०६६२५डबल्यू

चंद्रेश एस. शाह
साझेदार
सदस्यता सं.: ०४२१३२

स्थान : अहमदाबाद
तिथि : १८.०७.२०१३

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत
पंजी-सं-एफ/7412/अहमदाबाद

31 मार्च 2013 को तुलनपत्र

	अनुसूची सं.	रुपये 31 मार्च, 2013 को		रुपये 31 मार्च, 2012 को
आधार/पूँजीगत निधि एवं देयताएँ				
आधार/पूँजीगत निधियाँ	1		26,329,127	23,318,551
उद्दिष्ट निधियाँ	2		87,258,444	76,399,067
वर्तमान देयताएँ एवं प्रावधान	3		13,649,205	1,933,652
कुल			**127,236,776**	**101,651,270**
परिसम्पतियाँ				
अचल परिसम्पतियाँ	4			
सकल एकमुश्त		27,476,849		24,562,371
घटाएं : मूल्यह्रास		16,350,133		13,162,340
निवल एकमुश्त			11,126,716	11,400,031
निवेश			-	-
वर्तमान परिसम्पतियाँ, ऋण, अग्रिम एवं अन्य परिसम्पतियाँ	5		116,110,060	90,251,239
कुल			**127,236,776**	**101,651,270**
महत्वपूर्ण लेखा नीतियाँ एवं लेखा पर टिप्पणियाँ	11			

समान तिथि की हमारी रिपोर्ट के अनुसार
वास्ते **मुकेश एम शाह एंड कं.**
चार्टड एकाउंटेंट्स
फर्म पंजी सं. 106625 डब्ल्यू

साझेदार
चंद्रेश शाह
सदस्यता सं. 42132
स्थान : अहमदाबाद
तिथि : 18.07.2013

उक्त तुलन पत्र मेरे/हमारे अधिकतम विश वास
के अनुसार न्यास की निधियों/देयताओं
तथा संपत्ति/परिसंपत्तियों की सही सूचना देता है।

न्यासी

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत
पंजी.सं.एफ/7412/अहमदाबाद

31 मार्च, 2013 को समाप् तवर्ष का आय व ट ययखाता

	अनुसूची सं.	रुपये 31 मार्च, 2013 को समाप् तवर्ष हेतु		रुपये 31 मार्च, 2012 को समाप् तवर्ष हेतु
आय				
अनुदान एवं सब्सिडियाँ				
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) द्वारा योजनागत अनुदान		101,200,000		90,000,000
(घटाएं : तुलनपत्र में स्थांतरित धनराशि जो गैर आवती मदों में व्यय को ट यय करती हैं)		(2,930,678)		(6,642,889)
			98,269,322	83,357,111
अर्जित ब्याज	6		-	29,362
अन्य आय	7		-	-
कुल			**98,269,322**	**83,386,473**
व्यय				
स्थापना व्यय	8		13,015,693	11,525,826
आवर्ती व्यय	9		75,375,850	63,992,086
अन्य प्रशासनिक व्यय	10		6,599,998	7,847,392
मूल्यह्रास			3,197,883	2,858,209
कुल			**98,189,424**	**86,223,513**
तुलन पत्र को स्थांतरित व्यय के ऊपर आय की अधिकता			**79,898**	**(2,837,040)**
महत्वपूर्ण लेखा नीतियाँ और लेखा पर टिप्पणियाँ	11			

समान तिथि की हमारी रिपोर्ट के अनुसार
वास्ते **मुकेश एम शाह एंड कं.**
चार्टड एकाउंटेंट्स
फर्म पंजी सं. 106625 डब्ल्यू

साझेदार
चंद्रेश शाह
सदस्यता सं. 42132
स्थान : अहमदाबाद
तिथि : 18.07.2013

उक्त तुलन पत्र मेरे/हमारे अधिकतम विश् वास के अनुसार न्यास की निधियों/देयताओं तथा संपति/परिसंपतियों की सही सूचना देता है।

न्यासी

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत
पंजी.सं.एफ/7412/अहमदाबाद

31 मार्च 2013 के तुलनपत्र का अंश बनने वाली अनुसूची

	रुपये 31 मार्च, 2013 को		रुपये 31 मार्च, 2012 को
अनुसूची : 1 - आधारभूत/पूँजीगत निधि :			
1 आधारभूत निधि			
पिछले तुलनपत्र के अनुसार शेष	-		-
जोड़ें: वर्ष के दौरान	-		-
		-	-
2 पूँजीगत निधि			
पिछले तुलनपत्र के अनुसार शेष		433,294	433,294
3 स्थायी परिसम्पतियों के लिए डीएसटी, भारत सरकार का अनुदान			
पिछले तुलनपत्र के अनुसार शेष	12,114,676		5,471,787
जोड़ें: (गैर-आवृति मदों के खाते में प्राप्त अनुदान)	2,930,678		6,642,889
		15,045,354	12,114,676
4 आय एवं व्ययखाते का शेष			
पिछले तुलनपत्र के अनुसार शेष	10,770,581		13,607,621
जोड़े/ (घटाएं) : आय एवं व्यय खाते से हस्तांरित आय में अधिकता/ (घाटा)	79,898		(2,837,040)
		10,850,479	10,770,581
कुल		**26,329,127**	**23,318,551**

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत
पंजी.सं.एफ/7412/अहमदाबाद

31 मार्च 2013 के तुलनपत्र का अंश बनने वाली अनुसूची

	रुपये 31 मार्च, 2013 को		रुपये 31 मार्च, 2012 को
अनुसूची : 2 - उद्दिष्ट निधियाँ :			
उद्दिष्ट निधियाँ			
1 कपार्ट प्रदर्शनी			
क पिछले तुलनपत्र के अनुसार शेष	(105,697)		-
ख प्राप्त अनुदान	-		940,500
ग घटाएं : निधि के उद्देश्य हेतु व्यय/ उपयोग			
i. पूँजीगत व्यय			
अचल परिसम्पतियाँ	-		-
ii. राजस्व व्यय			
आवास, सम्मेलन हॉल, स्टेशनरी, मुद्रण तथा प्रदर्शनी व्यय	36,374		767,512
प्रशासनिक/ सांस्थानिक शुल्क	-		95,000
वेतन एवं मज़दूरी	-		122,000
यात्रा व्यय	-		61,685
कुल व्यय	36,374		1,046,197
कपार्ट से वसूली योग्य (क+ख-ग)		(142,071)	(105,697)
2 डीएसटी एवं केएपीएल परियोजना			
क पिछले तुलनपत्र के अनुसार शेष	(598,208)		6,568,163
ख प्राप्त अनुदान	-		589,000
ग अनुदान पर ब्याज	-		-
घ घटाएं : निधि के उद्देश्य हेतु व्यय/ उपयोग			
i. पूँजीगत व्यय			
अचल परिसम्पतियाँ	(521,351)		7,119,702
ii. राजस्व व्यय			
उपभोग योग्य एवं अन्य सामग्रियाँ	-		418,500
सूचना एवं दस्तावेजीकरण	-		-
उपरि व्यय	-		-
वेतन एवं मज़दूरी	-		150,000
यात्रा व्यय	-		67,169
कुल व्यय	(521,351)		7,755,371
वर्ष के अंत में कुल शेष (क+ख+ग-घ)		(76,857)	(598,208)
3 डीएसटी बीज परियोजना			
क पिछले तुलनपत्र के अनुसार शेष	201,439		473,284
ख प्राप्त अनुदान	-		400,000
ग घटाएं : निधि के उद्देश्य हेतु व्यय/ उपयोग			
i. पूँजीगत व्यय			
अचल परिसम्पतियाँ	-		147,529
ii. राजस्व व्यय			
उपभोग योग्य एवं अन्य सामग्रियाँ	11,460		88,878
वेतन एवं मज़दूरी	237,226		316,903
उपरि व्यय	-		100,000
यात्रा व्यय	41,953		18,535
कुल व्यय	290,639		671,845
वर्ष के अंत में कुल शेष (क+ख-ग)		(89,200)	201,439

अगले पृष्ठ पर जारी...

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत
पंजी.सं.एफ/7412/अहमदाबाद

31 मार्च 2013 के तुलनपत्र का अंश बनने वाली अनुसूची

		रुपये 31 मार्च, 2013 को		रुपये 31 मार्च, 2012 को
पिछले पृष्ठ से जारी...				
4 डीएसटी परियोजना - वेट				
क पिछले तुलनपत्र के अनुसार शेष		325,149		500,000
ख प्राप्त अनुदान		-		400,000
ग घटाएं : निधि के उद्देश्य हेतु व्यय/ उपयोग				
i. पूँजीगत व्यय		-		-
ii. राजस्व व्यय				
उपभोग योग्य एवं अन्य सामग्रियाँ		-		238,241
आकस्मिक व्यय		-		16,682
वेतन एवं मज़दूरी		422,968		155,533
उपरि व्यय		-		80,000
यात्रा व्यय		11,449		84,395
	कुल व्यय	434,417		574,851
वर्ष के अंत में कुल शेष (क+ख-ग)			(109,268)	325,149
5 एनएमपीबी (आयुष) परियोजना				
क पिछले तुलनपत्र के अनुसार शेष		1,027,102		3,501,391
ख प्राप्त अनुदान		-		-
ग घटाएं : निधि के उद्देश्य हेतु व्यय/ उपयोग				
i. पूँजीगत व्यय				
अचल परिसम्पतियाँ		-		-
अन्य				
ii. राजस्व व्यय				
उपभोग योग्य सामग्रियाँ		297,400		
आकस्मिक व्यय		22,025		42,972
कार्यबल		2,237,398		1,522,091
उपरि व्यय		-		400,000
यात्रा व्यय		247,211		477,863
कार्यशाला		-		31,363
	कुल व्यय	2,804,034		2,474,289
वर्ष के अंत में कुल शेष (क+ख-ग)			(1,776,932)	1,027,102
6 डीएसटी परियोजना-टेकपीडिया				
क पिछले तुलनपत्र के अनुसार शेष		-		-
ख प्राप्त अनुदान		-		3,400,000
ग घटाएं : निधि के उद्देश्य हेतु व्यय/ उपयोग				
i. पूँजीगत व्यय				
अचल परिसम्पतियाँ		-		-
अन्य		-		-
ii. राजस्व व्यय				
संचार व आकस्मिक व्यय		-		300,000
कार्यबल		-		1,020,000
पोर्टल प्रबंधन		-		1,400,000
यात्रा व्यय		-		500,000
कार्यशाला		-		180,000
	कुल व्यय	-		3,400,000
वर्ष के अंत में कुल शेष (क+ख-ग)			-	-
			अगले पृष्ठ पर जारी...	

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत
पंजी.सं.एफ/7412/अहमदाबाद

31 मार्च 2013 के तुलनपत्र का अंश बनने वाली अनुसूची

		रुपये 31 मार्च, 2013 को		रुपये 31 मार्च, 2012 को
पिछले पृष्ठ से जारी...				
7 आईसीएमआर - वनस्पतिएवं पादप निधान परियोजना				
क पिछले तुलनपत्र के अनुसार शेष		5,200,000		-
ख प्राप्त अनुदान		300,000		5,480,000
ग घटाएं : निधि के उद्देश्य हेतु व्यय/ उपयोग				
i. पूँजीगत व्यय				
अचल परिसम्पतियाँ		18,900		-
अन्य		-		-
ii. राजस्व व्यय				
परामर्श शुल्क		300,000		
आकस्मिक व्यय		93,707		
उपरि व्यय		-		280,000
	कुल व्यय	412,607		280,000
वर्ष के अंत में कुल शेष (क+ख-ग)			5,087,393	5,200,000
8 **आईसीएमआर - सृष्टि प्रयोगशाला परियोजना**				
क पिछले तुलनपत्र के अनुसार शेष		-		-
ख प्राप्त अनुदान		4,652,545		-
ग घटाएं : निधि के उद्देश्य हेतु व्यय/ उपयोग				
i. पूँजीगत व्यय				
अचल परिसम्पतियाँ		-		-
अन्य		-		-
ii. राजस्व व्यय				
उपरि व्यय		-		-
	कुल व्यय	-		-
वर्ष के अंत में कुल शेष (क+ख-ग)			4,652,545	-
8 रजत जयंती विज्ञान संचारक फैलोशिप				
क पिछले तुलनपत्र के अनुसार शेष		51,789		-
ख प्राप्त अनुदान		212,000		175,000
ग घटाएं : निधि के उद्देश्य हेतु व्यय/ उपयोग				
i. राजस्व व्यय		108,722		123,211
	कुल व्यय	108,722		123,211
वर्ष के अंत में कुल शेष (क+ख-ग)		155,067		51,789
घटाएं: डीएसटी को लौटाया गया निधि का शेष		155,067	-	
9 सूक्ष्म उद्यम नवप्रवर्तन निधि - सिडबी खाता				
क पिछले तुलनपत्र के अनुसार शेष		67,630,016		65,735,642
ख निधि खातों में वर्ष के दौरान अग्रिम और निवेशों से प्राप्त आय		5,638,104		1,894,374
वर्ष के अंत में कुल शेष (क+ख)			73,268,120	67,630,016
10 नवप्रवर्तन निधि				
पिछले तुलनपत्र के अनुसार शेष		2,667,477		14,000
जोड़ें: वर्ष के दौरान हस्तांतरितराशि देखें (नोट1(ज) अनुसूची -11)		3,782,487		2,653,477
घटाएं: वर्ष के दौरान लगी राशि		5,250		-
			6,444,714	2,667,477
कुल			**87,258,444**	**76,399,067**

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत
पंजी.सं.एफ/7412/अहमदाबाद

31 मार्च 2013 के तुलनपत्र का अंश बनने वाली अनुसूची

	रुपये 31 मार्च, 2013 को		रुपये 31 मार्च, 2012 को
अनुसूची : 3 - वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान :			
विविध लेनदार			
अन्य		731,703	1,713,946
बैंक बुक ओवरड्राफ्ट			-
यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, प्रेमचंदनगर - एसबी खाता सं. 724		12,825,958	
अन यदैयताएं			
कर्मचारियों की एनपीएस कटौती	42,422		106,503
एनपीएस देय खाता	42,422		106,503
		84,844	213,006
कुल		**13,649,205**	**1,933,652**

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत
पंजी. सं. एफ/7412/अहमदाबाद

वि.व. 2012-13

31 मार्च 2013 के तुलनपत्र का अंश बनने वाली अनुसूची

अनुसूची - 4

अनुसूची : 4 - अचल परिसंपत्तियाँ	सकल एकमुश्त				मूल्यह्रास				
विवरण	4/1/2012 को शेष	वर्ष के दौरान अभिवृद्धि	वर्ष के दौरान कटौती	3/31/2013 को सकल एकमुश्त	3/31/2012 तक मूल्यह्रास	वर्ष के दौरान कटौती	वर्ष का मूल्यह्रास	3/31/2013 तक मूल्यह्रास	3/31/2013 को निवल एकमुश्त
	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.
कंप्यूटर एवं सहायक परिसंपत्तियाँ									
कंप्यूटर	8,035,839	552,463	-	8,588,302	6,807,791	-	919,414	7,727,205	861,097
नेटवर्किंग उपकरण	547,703	-	-	547,703	481,202	-	39,901	521,103	26,600
स्कैनर	372,840	40,900	-	413,740	74,937	-	47,753	122,690	291,050
सॉफ्टवेयर	2,263,067	759,189	-	3,022,256	2,004,239	-	544,345	2,548,584	473,672
उपस्कर एवं जुडनार (मेज कुर्सी इत्यादि) तथा जड़ स टॉक									
उपस्कर एवं जूडनार (मेज कुर्सी	1,525,918	518,514	-	2,044,432	682,941	-	115,841	798,782	1,245,650
विद्युत संस्थापन	69,610	-	-	69,610	30,215	-	3,940	34,155	35,455
कार्यालय उपकरण									
एयरकूलर	220,130	40,674	(16,200)	244,604	85,851	(10,090)	26,243	102,004	142,600
बैलून	35,438	-	-	35,438	18,327	-	2,567	20,894	14,544
कैमरा	1,431,381	-	-	1,431,381	510,056	-	138,199	648,255	783,126
इंपीएबीएक्स सिस्टम	127,788	-	-	127,788	66,194	-	9,239	75,433	52,355
उपकरण	1,392,585	868,152	-	2,260,737	291,522	-	361,734	653,256	1,607,481
फैब लैब उपकरण	1,614,676	-	-	1,614,676	535,567	-	161,866	697,433	917,243
फैक्स मशीन	36,907	-	-	36,907	25,059	-	1,777	26,836	10,071
अग्निशामक यंत्र	13,405	-	-	13,405	10,296	-	466	10,762	2,643
फोटोकॉपी मशीन	505,202	-	-	505,202	386,733	-	17,770	404,503	100,699
पब्लिक एड्रेस सिस्टम	60,111	-	-	60,111	31,085	-	4,354	35,439	24,672
रेफ्रीजरेटर	39,010	-	-	39,010	16,323	-	3,403	19,726	19,284
सोनी एलसीडी	91,000	-	-	91,000	47,060	-	6,591	53,651	37,349
टेप रिकॉर्डर	41,727	-	-	41,727	25,654	-	2,411	28,065	13,662
टेलीफोन/मोबाइल उपकरण	444,358	150,786	-	595,144	179,582	-	63,774	243,356	351,788
वाहन									
एक्टिवा होंडा	44168	-	-	44,168	26041	-	2719	28,760	15,408
बजाज पल्सर	68289	-	-	68,289	40261	-	4204	44,465	23,824
होंडा सिटी	1,037,399	-	-	1,037,399	221,744	-	122348	344,092	693,307
टाटा सफारी	1,311,519	-	-	1,311,519	280,337	-	154677	435,014	876,505
टाटा इंडिका	545,341	-	-	545,341	81,801	-	69531	151,332	394,009
मोबाइल प्रदर्शनी वैन	2,686,960	-	-	2,686,960	201,522	-	372816	574,338	2,112,622
कुल ए	**24,562,371**	**2,930,678**	**(16,200)**	**27,476,849**	**13,162,340**	**(10,090)**	**3,197,883**	**16,350,133**	**11,126,716**

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत
पंजी. सं. एफ/7412/अहमदाबाद

31 मार्च 2013 के तुलनपत्र का अंश बनने वाली अनुसूची

	रुपये 31 मार्च, 2013 को		रुपये 31 मार्च, 2012 को
अनुसूची 5 : - वर्तमान परिसंपत्तियाँ, ऋण, अग्रिम और अन्य परिसंपत्तियाँ :			
1 नकदी एवं बैंक शेष			
रोकड़ शेष		-	-
बैंकों में शेष			
बचत खातों में			
- कोटक महिंद्रा, वस्त्रापुर - एसबी खाता सं. 762	1,890,925		11,679,301
- यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, प्रेमचंदनगर - एसबी खाता सं. 724	-		7,965,534
		1,890,925	19,644,835
चालू खातों में			
- एक्सिस बैंक, वस्त्रापुर - खाता सं. 1548	883,660		1,615,098
- एक्सिस बैंक, वस्त्रापुर - खाता सं. 8099 एमवीआईएफ	3,616,361		4,009,402
- एसबीआई, आईआईएम - खाता सं. 30379920229	289,821		290,371
		4,789,842	5,914,871
सावधि जमा खाते में			
- रानप्र निधियों से	38,451,225		-
- एमवाईआईएफ निधियों से	55,798,862		48,455,650
		94,250,087	48,455,650
कुल		100,930,854	74,015,356
2 ऋण, अग्रिम और अन्य परिसंपत्तियाँ			
वसूली योग्य अग्रिम, नकद या वस्तु या मूल्य रूप में		1,046,283	1,152,697
एमवीआईएफ निधि से नवप्रवर्तकों को अग्रिम (सिडबी)		13,197,972	14,405,487
आयकर का अग्रिम भुगतान		934,951	598,128
बैंक से प्राप्य		-	79,571
कुल		15,179,206	16,235,883
कुल		**116,110,060**	**90,251,239**

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत
पंजी. सं. एफ/7412/अहमदाबाद

31 मार्च, 2013 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए आय एवं व्यय खाते वाली अनुसूची

	रुपये 31 मार्च, 2013 को समाप्त वर्ष हेतु	रुपये 31 मार्च, 2012 को समाप्त वर्ष हेतु
अनुसूची : 6 - अर्जित ब्याज :		
भारत सरकार के बचत बांड पर 8% अर्जित	-	-
बैंकों में सावधि जमा पर ब्याज	3,504,611	1,674,626
बचत बैंक खातों पर ब्याज	276,746	116,851
अन्य से अर्जित ब्याज	-	29,362
कुल अर्जित ब्याज	3,781,357	1,820,839
घटाएं: नवप्रवर्तन निधि में हस्तांतरित	(3,781,357)	(1,791,477)
कुल	**-**	**29,362**
अनुसूची : 7 - अन्य आय :		
उद्दिष्ट परियोजनाओं से प्रशासनिक उपरिव्यय वसूली	-	860,000
विविध आय	-	-
	-	860,000
घटाएं: नवप्रवर्तन निधि में हस्तांतरित	-	(860,000)
कुल	**-**	**-**

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत
पंजी. सं. एफ/7412/अहमदाबाद

31 मार्च, 2013 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए आय एवं व्यय खाते वाली अनुसूची

	रुपये 31 मार्च, 2013 को समाप्त वर्ष हेतु		रुपये 31 मार्च, 2012 को समाप्त वर्ष हेतु
अनुसूची : 8 - स्थापना व्यय :			
मूल वेतन		2,745,021	649,405
परामर्श शुल्क		1,257,758	1,285,360
संविदात्मक भुगतान		2,899,081	2,510,453
मंहगाई भत्ता		1,937,345	415,605
नियोक्ता का एनपीएस में अंशदान		468,251	106,503
फैलोशिप		2,738,963	4,731,595
फैलोशिप (रानप्र सेल - उत्तर-पूर्व)		-	462,903
मकान किराया भत्ता		549,004	129,881
वेतन एवं मज़दूरी		-	1,143,355
परिवहन भत्ता		420,270	90,766
कुल		**13,015,693**	**11,525,826**
अनुसूची : 9 - आवर्ती व्यय :			
1 व्यवसाय विकास			
लाइसेंसीकरण के लिए विज्ञापन	160,003		55,405
मानदंड निर्धारण एवं बाज़ार शोध	274,525		1,443,700
डेटा प्रबंधन/एमआईएस (व्यवसाय विकास)	-		14,513
प्रदर्शन (व्यवसाय विकास)	945,774		1,436,726
उद्भवन समिति/परामर्शदाता बैठक	-		23,113
ऑनलाइन कैटालॉग	54,699		150,697
पैकेजिंग, लेवलिंग व ब्रांडिंग	-		38,675
व्यवसाय योजनाओं में विद्यार्थियों की संलग्नता	520,005		591,374
यात्रा (व्यवसायविकास)	1,236,686		378,731
		3,191,692	**4,132,934**
2 सूचना प्रसार एवं सामाजिक प्रसार			
डेटा प्रबंधन/एमआईएस (डीएनएसडी)	-		14,513
प्रदर्शन (डीएनएसडी)	660,578		488,952
किसानों/मीडिया/कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से व्यवहारों का प्रस	3,061,848		717,889
प्रदर्शनियाँ एवं नवप्रवर्तन प्रदर्शनी	3,013,039		1,759,357
नवप्रवर्तन प्रसार केंद्र	976,359		994,210
मुद्रण एवं प्रकाशन (डीएएसडी)	2,622,898		-
यात्रा (सूचना प्रसार)	666,242		49,679
		11,000,964	**4,024,600**
3 बौद्धिक संपदा अधिकार एवं कानून			
डेटा प्रबंधन/एमआईएस (बौद्धिक संपदा अधिकार व कानून)	-		23,221
विशेषज्ञ/परामर्शदाता समिति बैठक (बौद्धिक संपदा अधिकार)	1,716		740
राष्ट्रीय पेटेंट आवेदनों को फ़ाइल करना	2,337,869		2,853,778
ट्रेडमार्क एवं भौगोलिक अनुप्रयोगों को फ़ाइल करना	-		59,869
पीसीटी अनुप्रयोग	1,072,985		707,718
यात्रा (बौद्धिक संपदा अधिकार)	62,618		7,982
		3,475,188	**3,653,308**

अगले पृष्ठ पर जारी...

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत
पंजी. सं. एफ/7412/अहमदाबाद

31 मार्च, 2013 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए आय एवं व्यय खाते वाली अनुसूची

		रुपये 31 मार्च, 2013 को समाप्त वर्ष हेतु	रुपये 31 मार्च, 2012 को समाप्त वर्ष हेतु
पिछले पृष्ठ से जारी...			
4 सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) एवं डेटाबेस			
कंप्यूटर रखरखाव एवं अपग्रेडेशन	111,708		160,663
डेटाबेस एवं सॉफ़्टवेयर विकास, प्रूफ़रीडिंग	1,222,621		1,085,493
इंटरनेट	356,925		380,915
ऑनलाइन अनुप्रयोग (उद्भवन, एमआईएस, ट्रेट कस्‍ टेटस)	90,220		46,957
यात्रा (आईटी)	9,465		-
वेबसाइट	86,843		130,944
		1,877,782	**1,804,972**
5 खोज एवं दस्तावेजीकरण			
विज्ञापन - क्षेत्रीय एवं राष्ट्रीय	4,536,652		2,055,211
सहयोगियों को	3,500,583		2,402,350
डेटा प्रबंधन/एमआईएस (खोज एवं दस्तावेजीकरण)	-		29,027
विशेषज्ञ/परामर्शदाता बैठकें (खोज एवं दस्तावेजीकरण)	60,130		124,026
इग्नाइट (खोज एवं दस्तावेजीकरण)	1,230,050		672,518
नमूना/प्रोटोटाइप संग्रह एवं पहचानना	697,060		863,338
यात्रा (खोज एवं दस्तावेजीकरण)	1,895,672		721,418
सत्यापन/विस्तृत दस्तावेजीकरण	2,204,319		2,056,192
कार्यशालाएँ एवं प्रकाशन	2,296,349		1,529,972
		16,420,815	**10,454,052**
6 मूल्य परिवर्धन और शोध एवं विकास (वार्ड)			
प्रशासनिक व्यय - वार्ड	-		17,635
डेटा प्रबंधन/एमआईएस (वार्ड)	-		29,026
विशेषज्ञ/परामर्शदाता बैठकें (वार्ड)	1,616,809		798,330
प्रायर आर्ट सर्च, नवप्रवर्तनों का प्रमाणीकरण	9,144,130		9,471,983
प्रोटोटाइप/उत्पाद परीक्षण	4,123,070		3,859,436
यात्रा (वार्ड)	2,408,062		1,132,816
मूल्य परिवर्धन एवं उत्पाद विकास	7,884,522		11,073,739
		25,176,593	**26,382,965**
7 प्रौद्योगिकी अधिग्रहण निधि के अंतर्गत अधिग्रहित प्रौद्योगिकी		**875,894**	**2,991,380**
8 पुरस्कार कार्यक्रम व्यय			
आवास	884,153		699,400
खान-पान (कैटरिंग)	495,979		413,100
सूचना प्रसार	108,763		136,584
प्रदर्शनी व अन्‍ यट यय	2,481,684		2,426,600
फ़ोटोग्राफी	19,300		-
पुरस्‍ कार	7,845,000		5,195,000
स्‍ टेशनरीव प्रिंटिंग	21,070		256,664
यात्रा व परिवहन	1,193,405		1,155,207
ट्रॉफी	303,458		265,320
		13,352,812	**10,547,875**
9 अचल परिसंपत्तियों की बिक्री में हानि		**4,110**	**-**
कुल		**75,375,850**	**63,992,086**

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत
पंजी. सं. एफ/7412/अहमदाबाद

31 मार्च, 2013 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए आय एवं व्यय खाते वाली अनुसूची

	रुपये 31 मार्च, 2013 को समाप् तवर्ष हेतु		रुपये 31 मार्च, 2012 को समाप् तवर्ष हेतु
अनुसूची 10 : - अन्य प्रशासनिक व्यय :			
अंकेक्षकों की फीस			
अंकेक्षण फीस	85,956		
अन् यप्रमाणन फीस	2,248	88,204	71,210
बैंक शुल्क		5,268	18,906
वाहन खर्च		25,106	30,066
विद्युत एवं ऊर्जा		260,838	212,833
प्रबंध परिषद बैठक खर्च		230,489	122,530
बीमा खर्च		117,118	54,214
कार्यालय खर्च		354,371	303,378
डाक खर्च		323,697	402,215
मुद्रण एवं स्टेशनरी		652,261	956,846
नियुक्ति खर्च		1,146,074	2,604,070
किराया, रेट एवं कर		2,634,376	2,472,844
मरम्मत एवं रखरखाव		152,457	148,206
सुरक्षा खर्च		269,525	218,514
टेलीफोन एवं संचार शुल्क		59,737	83,665
यात्रा खर्च		123,209	-
वाहन चलाने एवं रखरखाव में खर्च		157,268	147,895
कुल		**6,599,998**	**7,847,392**

वि.व. 2012-13

अग्रिम खाता एमवीआईएफ परियोजनाएँ		
	रु.	रु.
उत्तर पूर्व क्षेत्र		
सुपारी छीलने का यंत्र	7500	
बांस की खपच्ची/पट्टी बनाने का यंत्र	5028	
समन्वयन एजेंसी के पास पड़ी धनराशि	5622	
मूगा रीलिंग मशीन	20000	
अनार छीलने का यंत्र	12000	50150
उत्तर क्षेत्र		
पटाखे जलाने का उपाय	7000	
समन्वयन एजेंसी के पास पड़ी धनराशि	15480	
गुरमेल सिंह ढोंसी- खाद बनाने की मशीन (कंपोस्ट एरेटर मशीन)	18125	
औषधीय पौधों की बढ़त का उपाय	162407	
एचएनपी-प्रदर्शन प्रोत्साहक, पेट्रोल इंजन के लिए - हरिनार	149417	
संशोधित सौर चूल्हा	5047	
बहूफसली थ्रेसर	884931	
अनेक बीज बोने वाली सीडड्रिल	385268	
स्टोव के लिए सेफ्टी वाल्व	16000	
खाई खोदने की मशीन	1093480	2737155
पश्चिम क्षेत्र		
साइकिल कुदाल	15000	
स्वास्थ्य लाभ हेतु कुर्सी	37390	
मिट्टी कूल - मिट्टी निर्मित उत्पाद	1991	
मोहन लांब - क्रांति स्प्रेपंप	105500	
प्राकृतिक वाटर कूलर - अरविंद भाई पटेल	90000	
परेश पांचाल- अगरबत्ती बनाने की मशीन	300000	
स्टेंसिल कटिंग उपाय - नाजिम शेख	171100	
गन्ना रोटेटर	47486	
समन्वयन एजेंसी के पास पड़ी धनराशि	-57181	711286
शेष आगे...		**3498591**

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत
पंजी. सं. एफ/7412/अहमदाबाद

वि.व. 2012-13

अग्रिम खाता एमवीआईएफ परियोजनाएँ		
	रु.	**रु.**
		अनुसूची- 1
	रु.	**रु.**
पिछला शेष...		**3498591**
दक्षिण क्षेत्र		
सेवा (बहूद्देशीय खाना बनाने का बरतन - अब्दुल रज्जाक)	42150	42150
रानप्र की सीधी निगरानी वाली परियोजनाएँ		
बाँस से अगरबत्ती की डंडी बनाने की मशीन	300000	
बी. मोहनलाल - जलीय रिवर्सिबल रिडक्शन गीयरबॉक्स	1480000	
बोममगनी मल लेक्ष इलेक ट्रॉनिकउपकरणों के लिए रिमोट	150000	
क्लीयर बनाना एल्कली - बसंत शर्मा	96050	
सी.वी.राजू- हैंड (HAnd) से कुछ भी संभव	599040	
दादाजी खोबरागड़े - डी.आर.के 2008 धान की किस्म	300000	
दीपक भराली - डिज़ायन निर्माण यंत्र	1065000	
निदेशक एसएमआईटी - अजूबा ट्यूब लाइट फ्रेम	182032	
डीएन वेंकट- कई तरह के पेड़ों पर चढ़ने में सहायक उपकरण	370000	
डॉ. के.एल.राव - हनी बी आन्ध्र प्रदेश	9000	
जी चंद्रशेखर- पासीफ्लोरा फोएतिदा (झुमका लता फूल)	360000	
हूमा शौचालय क्लीनर - मो. मोतीन अहमद	24000	
इमली तोषी नामो - बहूउपयोगी हस तमूक लेलमेट का अग्रभाग	13500	
लोहे की जाली बनाने का यंत्र - एन. इन्द्र कुमार सिंह	90000	
जय प्रकाश सिंह - गेंहूँ की किस्में	100000	
जयदीप मण्डल	565000	
जयप्रकाश - ऊर्जा किफायती स टोव	300000	
मल्लेशम - लक्ष्मी अस् यंत्र	367534	
मो. फज़लूल हक - धान का थ्रेसर	804075	
मुजीब खान - विकलांगों के लिए संशोधित कार	260000	
प्रेम सिंह सैनी - फोन चालित स्विच	200000	
राज कुमार राठोर - रिचा 2000	300000	
रामा शंकर शर्मा - संशोधित हैण्डपम्प	37000	
शैलेंद्र रखेचा- एनिमेशन यूक तटी-शर्ट	375000	
गन्ने की आँख निकालने का यंत्र-रोशनलाल विश वकर्मा	500000	
तुलसी की बढ़त बढ़ाने का उपाय	80000	
उमेश चंद शर्मा- आपस में जुड़ने वाली ईंटें	350000	
यलो फूरियर टेक्नो. प्रा. लि.-इंडियन टी मेकिंग	210000	
ऑगस्टीन थॉमस- इलेक ट्रोटायर रिथ्रेडिंग मशीन	100000	
ज्ञान सेल - जम्मू कश्मीर	70000	9657231
कुल		**13197972**

अनुसूची 9सी
(नियम 32 देखें)

01-04-2012 से 31-03-2013 तक की अवधि के लिए अंशदान अधीन आय विवरण

	सावेजनिक न्यास का नाम :	**राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान-भारत** बंगला नं. 1, सैटेलाइट सेंटर, सैटेलाइट कॉम्पलेक्स, प्रेमचंदनगर रोड, जोधपुर टेकरा, सैटेलाइट, अहमदाबाद - 380015
	पंजीकरण सं.	एफ/7412/अहमदाबाद

		रुपये	
	सकल वार्षिक आय		
	विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) द्वारा योजनागत अनुदान	101,200,000	
	ब याजसे अर्जित आय	3,781,357	
	कुल सकल वार्षिक आय		104,981,357
	उस आय का विवरण जो अनुच्छेद 58 नियम 32 के तहत अंशदान के प्रभार्य नहीं है:		
(i)	अन यसार्वजनिक न यासोंव धर्मदास से वर्ष के दौरान प्राप्त तदान		
(ii)	सरकार और स्थानीय प्राधिकरणों से प्राप्त अनुदान	101,200,000	
(iii)	ऋणशोधन या मूल्यह्रास निधि पर ब्याज		
(iv)	शिक्षा के उद्देश्य से खर्च राशि	98,189,424	
(v)	चिकित्सीय राहत कार्य के उद्देश्य से खर्च राशि		
(vi)	पशुओं की चिकित साके लिए खर्च राशि		
(vii)	न यूनतासूखा, बाढ, आग या अन यप्राकृतिक विपत्ति के कारण उत पन्न संकट से राहत के लिए प्राप्त तदान से होने वाला व यय।		
(viII)	कृषि उद्देश्य हेतु प्रयुक्त भूमि से हुई आय में से कटौती		
(क)	भू राजस्व और स्थानीय निधियाँ/उपकर		
(ख)	बड़े भूस्वामी को देय किराया		
(ग)	उत्पादन लागत, यदि न्यास द्वारा खेती की जा रही हो		
(vii)	गैर-कृषि उद्देश्य हेतु प्रयुक्त भूमि से हुई आय में से कटौती		
(क)	मूल्यांकन, उपकर और अन्य सरकारी या निगम के कर		
(ख)	बड़े भूस्वामी को देय प्रत्यक्ष किराया		
(ग)	बीमा किश्त		
(घ)	भवनों के कुल किराए का 10 प्रतिशत मरम्मत में		
(ङ)	संग्रहण लागत, किराए पर दिए गए भवनों के कुल किराए का 4 प्रतिशत		
(x)	प्रतिभूति स्टॉक से आय या प्राप्तियों की संग्रहण लागत, ऐसी आय का 1 प्रतिशत		
(xi)	अंशदान अधीन अनुमानित सकल वार्षिक किराए के 10 प्रतिशत के हिसाब से, ऐसे भवन जो किराए पर न दिए गए हों या उनसे कोई आय न होती हो, की मरम्मत के लिए कटौती		
	कुल आय जो अंशदान के प्रभार्य नहीं है।		104,981,357
	सकल वार्षिक आय जो अंशदान के प्रभार्य है		0

कृते राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान

न यासी

स्थान : अहमदाबाद
तिथि : 18.07.2013

समान तिथि की हमारी रिपोर्ट के अनुसार
वास्ते **मुकेश एम शाह एंड कं.**
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स
फर्म पंजी सं. 106625 डब्ल्यू

साझेदार
चंद्रेश शाह
सदस्यता सं. 42132

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत
अनुसूची : ११ - महत्वपूर्ण लेखा नीतियां एवं लेखा टिप्पणियां :

१. महत्वपूर्ण लेखा नीतियां :

क) लेखा का आधार

वित्तीय विवरण ऐतिहासिक लागत सम्मेलन के तहत लेखा के प्रोद्भवन आधार पर, भारत में लेखा के सामान्यतः स्वीकृत सिद्धांतों ('इंडियन जीएएपी') के अनुरूप, यथायोग्य ढंग से, और बंबई सार्वजनिक न्यास अधिनियम, १९५० के प्रावधानों के अनुसार और वित्त मंत्रालय द्वारा जारी केन्द्रीय स्वायतशासी निकायों के लेखा संबंधी दिशा निर्देशों के अनुरूप तैयार किए गए हैं। लेखा नीतियों पर प्रतिष्ठान द्वारा निरंतर अमल किया गया है और लेखा नीतियां, अन्यत्र संदर्भित नहीं, भारत में लेखा के सामान्यतः स्वीकृत सिद्धांतों के अनुरूप हैं।

ख) राजस्व मान्यता

सभी आय और व्यय की पहचान, विशिष्ट एवं सशर्त अनुदानों को छोड़कर, प्रोद्भवन आधार पर की गयी है। ऐसे अनुदान की खर्च नहीं की गयी राशि दाता संगठन के निर्देशों के अनुसार वापस या पुनः निर्दिष्ट की जानी होती है। उसी अनुसार खर्च नहीं की गयी राशि को तुलन पत्र की तिथि पर देयता में प्रदर्शित किया जाता है। सरकारी अनुदान/ सब्सिडियों का उगाही आधार पर लेखाकरण होता है।

ग) अचल परिसम्पत्तियां और अमूर्त परिसम्पत्तियां

i. अचल परिसम्पत्तियों को संचित मूल्यह्रास घटाकर लागत पर अभिव्यक्त किया जाता है। लागत में परिसम्पत्ति को इसके निर्दिष्ट उपयोग हेतु इसकी कार्यकारी स्थिति में लाने के लिए आवश्यक सभी व्यय शामिल होते हैं। अचल परिसम्पत्तियों, जो अनुदान से प्राप्त हुई हैं, को अनुसूची २ में अनुदान के उपयोग के रूप में संबंधित उद्दिष्ट निधियों में प्रदर्शित किया जाता है।

ii. चल विनिमय दर पर किसी प्रकार की हानि या प्राप्ति, जो स्थायी परिसम्पत्ति को प्रभावित करती हो, को स्थायी परिसम्पत्तियों की लागत में समायोजित किया जाता है।

घ) मूल्यह्रास एवं परिशोधन

मूल्यह्रास को मूल्यह्रासित मूल्य (डबल्यूडीवी) पर आयकर नियमों, १९६२ के अनुरूप अनुलग्नक –। में निर्धारित ढंग से और दरों पर उपलब्ध कराया जाता है।

ङ) सरकार से प्राप्त योजना/गैर-योजना अनुदान

वर्ष के दौरान प्राप्त योजना अनुदान राजस्व खाते में जमा होते हैं, सिवाय इसके कि वर्ष के दौरान पूंजीगत परिसंपत्तियों के अधिग्रहण के लिए प्रयुक्त अनुदानों को संप्रेषित "पूंजीगत निधि" में जमा किया जाता है।

च) उद्दिष्ट निधियां

विशिष्ट परियोजनाओं के लिए प्राप्त निधियां/अनुदान अलग खाते में जमा होते हैं और इनका उपयोग संबंधित निधि/ अनुदान खातों में नामे भी होता है। इन निधियों/अनुदानों का शेष चालू परियोजनाओं पर अभी भी अदत्त धनराशियों को दिखाता है।

छ) नवप्रवर्तन निधि

वर्ष के दौरान अर्जित ब्याज को नवप्रवर्तन निधि में जमा किया गया है।

ज) फैलोशिप और वज़ीफ़ा

प्रायोजित फैलोशिप और वज़ीफ़े का प्रायोजित परियोजना निधि/अनुदान पर लेखाकरण किया जाता है। संस्थान की निधियों के संवितरित फैलोशिप और वज़ीफ़े राजस्व व्यय के रूप में देखे जाते हैं और इन्हें "स्थापना व्यय" में नामे किया जाता है।

झ) प्रौद्योगिकी अधिग्रहण पर व्यय

नवप्रवर्तकों से नवप्रवर्तित उत्पादों के अधिकार, इन उत्पादों को कम लागत या फ्रिना किसी लागत के आम लोगों को उपलब्ध कराने हेतु, अधिगृहीत करने के लिए किए गए भुगतानों को "प्रौद्योगिकी अधिग्रहण निधि के तहत अधिग्रहीत प्रौद्योगिकी" के रूप में आवर्ती व्यय की तरह भुगतान के वर्ष में राजस्व लेखा में प्रभारित किया जाता है।

ञ) निवेश

निवेशों को लागत पर व्यक्त किया जाता है।

ट) सेवानिवृत्ति और अन्य कर्मचारी लाभ

प्रतिष्ठान ने कर्मचारियों को भुगतान योग्य किसी भी प्रकार के सेवानिवृत्ति लाभों को सृजित नहीं किया है। सेवानिवृत्ति लाभों का लेखाकरण, कर्मचारियों को जब कभी वे देय एवं भुगतान योग्य हों, के लिए किया जाता है।

ठ) कराधान

आयकर अधिनियम, १९६१ के प्रावधानों अनुरूप आयकर प्रावधान लागू किए जाते हैं।

ड) विदेशी मुद्रा का लेन-देन

विदेशी मुद्रा में किए गए लेन-देनों का लेखाकरण लेन-देन की तिथि को विनिमय दर के आधार पर किया जाता है।

२. लेखा टिप्पणियां :

क) न्यासियों की राय में वर्तमान परिसम्पत्तियां, ऋण और अग्रिम सामान्य स्थिति में नकदीकरण पर एक मूल्य रखते हैं, जोकि कम से कम वह धनराशि है जिसे वे तुलनपत्र में व्यक्त करते हैं।

ख) न्यासियों की राय में तुलनपत्र की तिथि को कोई भी आकस्मिक देयता नहीं है।

ग) नवप्रवर्तकों को दिए गए ऋणों एवं अग्रिमों का शेष, पुष्टि/ समाधेयता और आवश्यक समायोजनों, यदि कोई हों, के अधीन होता है, जिन्हें जिस वर्ष उनका निपटारा होता है उसमें आगे ले जाया जाता है।

घ) कराधान

यह देखते हुए कि आयकर अधिनियम १९६१ के तहत कोई भी कर योग्य आय नहीं है, आयकर के कोई भी प्रावधान आवश्यक नहीं समझे गए हैं।

ङ) निष्पादित की जाने वाली पूंजीगत संविदाओं की अनुमानित धनराशि रु. -कोई नहीं-

च) विदेशी मुद्रा लेन-देन :

सीआईएफ आधार पर आयात का मूल्य	रु. -कोई नहीं-
विदेशी मुद्रा में व्यय	रु. -कोई नहीं-
विदेशी मुद्रा में आय	रु. -कोई नहीं-

अनुसूची-१ से ११ को ३१ मार्च, २०१३ के तुलनपत्र एवं समान तिथि को समाप्त हुए वर्ष के लिए आय एवं व्यय खाते के अभिन्न अंग के रूप में संलग्न किया गया है।

समान तिथि की हमारी रिपोर्ट के अनुसार
वास्ते मुकेश एम. शाह एंड कंपनी
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स
फर्म रजि. सं. १०६६२५ डबल्यू

चन्द्रेश शाह
साझीदार न्यासी
सदस्यता संख्या ०४२१३२
स्थान : अहमदाबाद
तिथि : १८.०७.२०१३

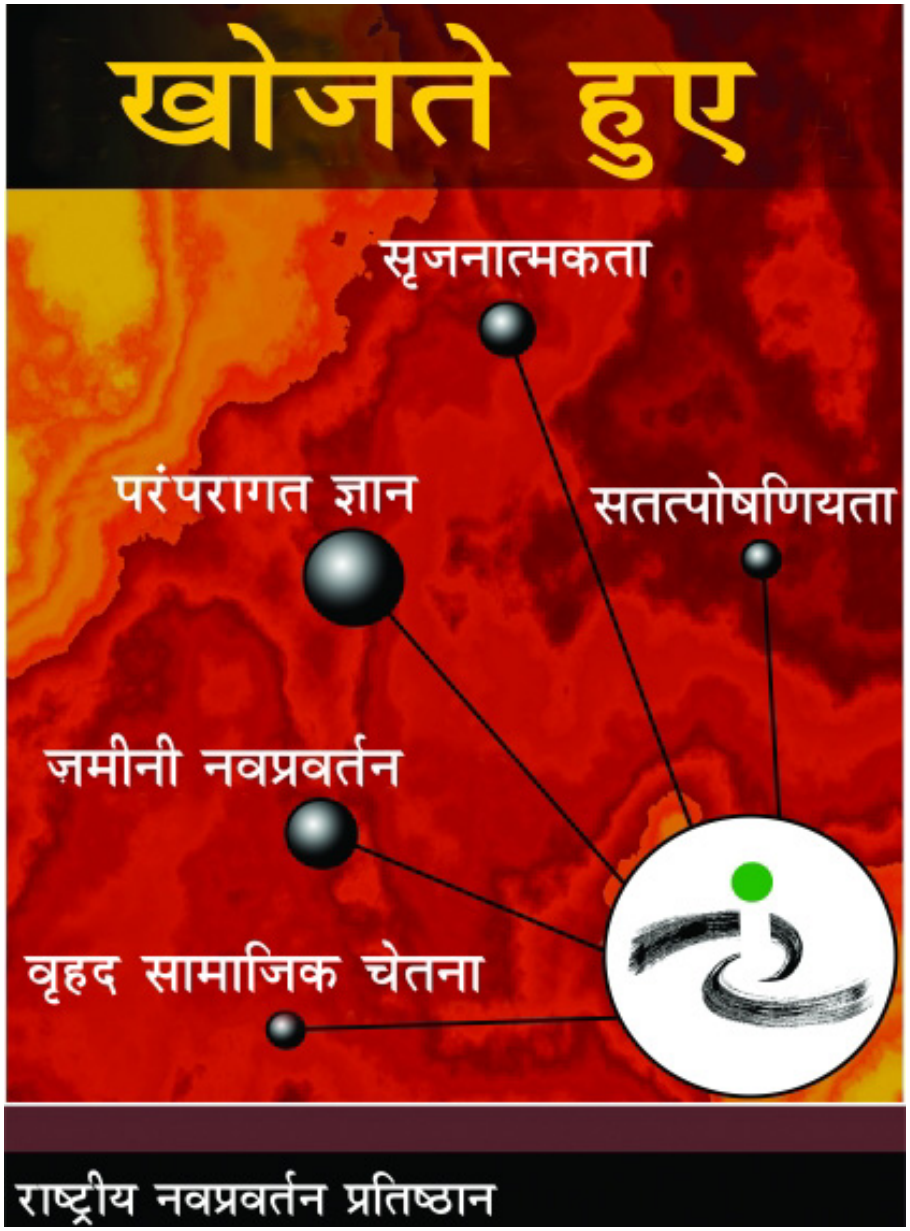
खोजते हुए
सृजनात्मकता
परंपरागत ज्ञान
सतत्पोषणियता
ज़मीनी नवप्रवर्तन
वृहद सामाजिक चेतना
राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत

सैटेलाइट कॉम्पलेक्स, प्रेमचंद नगर रोड

अहमदाबाद - ३८००१५

फोन : ०७९-२६७३२०९५/२४५६, २६७४५३१६, फैक्स : ०७९-२६७३१९०३ ईमेल : info@nifindia.org